

//-- सुविचार --//

आज आप जो दर्द महसूस करते हैं, वही कल आपकी ताकत बन जाएगा।

सूचोदय/सूच्यस्त		
उदय : 06:21		
अस्त : 05:04		
प्रदेश का तापमान		
स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	24.0	10.0
जमशेदपुर	27.0	12.0
हजारीबाग	25.0	10.0
डालटनगंज	27.0	08.0

संक्षिप्त खबरें

छापेमारी में 400 टन माईका जब्त

गिरिडीह। जिले के तिसरी थाना इलाके में शुक्रवार को माईका के अवैध खनन और भंडारण को लेकर एक बार फिर जिला प्रशासन ने छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान खोरीमहुआ एसडीएम अनिमेष रंजन के नेतृत्व में तिसरी सीओ अखिलेश प्रसाद, थाना प्रभारी रंजय कुमार सहित पुलिस बल की टीम ने तिसरी के गम्हरियाटांड स्थित चार अवैध माईका गोदामों में छापेमारी कर लगभग 400 टन अवैध माईका सहित संबंधित उपकरण जब्त किया गया है। इस बाबत एसडीएम अनिमेष रंजन ने कहा कि अवैध उत्खनन को लेकर विभिन्न जगहों पर प्रशासन की ओर से छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

कसी नकेल : कफ सीरप मामले में ईडी की 25 ठिकानों पर छापेमारी रांची के शैली ट्रेडर्स में भी छापा

झारखंड, उत्तर प्रदेश व गुजरात में चल रही छापेमारी

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जानलेवा कफ सीरप की खरीद-बिक्री से जुड़े 1000 करोड़ रुपये के अवैध कारोबार की जांच के तहत झारखंड, उत्तर प्रदेश और गुजरात के 25 ठिकानों पर छापेमारी की है। रांची के तुपुदना स्थित शैली ट्रेडर्स में भी सुबह से ही ईडी की कार्रवाई जारी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, लखनऊ, बनारस, जौनपुर, सहारनपुर, अहमदाबाद और रांची सहित कई शहरों में एक साथ छापेमारी की जा रही है। जांच के दायरे में कफ सीरप के अवैध व्यापार से जुड़े कारोबारी और चार्टर्ड अकाउंटेंट विष्णु अग्रवाल भी शामिल हैं। झारखंड की राजधानी रांची के तुपुदना औद्योगिक क्षेत्र स्थित शैली ट्रेडर्स के संचालक भोला प्रसाद के प्रतिष्ठान और उनके फ्लैट में भी ईडी की टीम तलाशी ले रही है। भोला प्रसाद बनारस पुलिस में दर्ज एक प्राथमिकी में आरोपित हैं और अवैध कफ सीरप मामले के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के रिश्तेदार बताए जाते हैं। जानकारी के अनुसार, शैली ट्रेडर्स

का यह प्रतिष्ठान भोला प्रसाद ने भिलाई केमिकल के संचालक जगन्नाथ साहू से किराये पर लिया था। कुछ दिनों पहले बनारस पुलिस ने यहां छापेमारी की थी, लेकिन कफ सीरप की बरामदगी किसी अन्य स्थान से हुई थी। तुपुदना ओपी में इस मामले में एक दिन पहले औषधि नियंत्रक शैल अंबट के बयान पर भोला प्रसाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। वहीं, भोला प्रसाद ने भी ऑनलाइन शिकायत देकर औषधि विभाग के अधिकारियों पर 20 लाख रुपये की रिश्तत मांगने का आरोप लगाया है। ईडी की यह कार्रवाई पीएमएलए के तहत चल रही व्यापक जांच का हिस्सा है।

जांच के दायरे में कफ सीरप के अवैध व्यापार से जुड़े कारोबारी और चार्टर्ड अकाउंटेंट विष्णु अग्रवाल भी शामिल



धनबाद : ईडी की दबिश, कोयला कारोबारियों में हड़कंप

धनबाद। धनबाद में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एक बार फिर सक्रिय हो गया है। शुक्रवार की सुबह ईडी ने कोयला कारोबार और आउटसोर्सिंग से जुड़े कई बड़े ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। कार्रवाई के दायरे में डेको आउटसोर्सिंग के संचालक और ट्रांसपोर्टर मनोज अग्रवाल, कोयला कारोबारी सुधीर चौटाला और इंद्रराज भदौरिया के ठिकाने शामिल हैं। बताया जा रहा है कि यह छापेमारी अवैध कोयला कारोबार से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग की जांच का हिस्सा है। सुबह लगभग



7:30 बजे ईडी की टीम धनसार स्थित मनोज अग्रवाल के आवास और कार्यालय पर पहुंची। थोड़ी ही देर में केंद्रीय सुरक्षा बलों ने पूरे परिसर को घेर लिया और अधिकारी घर के अंदर दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और वित्तीय रिकॉर्ड की

गहन जांच में जुट गए। इधर, ईडी ने डेको आउटसोर्सिंग कंपनी के डायरेक्टर ए. एन. झा के द्विनिटी गार्डन स्थित फ्लैट में भी तलाशी अभियान चलाया। दोनों जगहों पर एक साथ हुई कार्रवाई से शहर में हलचल तेज हो गई है। अचानक

हुई इस दबिश से कोयला कारोबार से जुड़े कई लोगों में बेचैनी देखी जा रही है। स्थानीय लोग सुबह से ही ईडी की मौजूदगी को लेकर चर्चा करते दिखे और कई क्षेत्रों में स्थिति पर लगातार नजर बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, बीते माह धनबाद में लगभग 18 ठिकानों पर हुई बड़ी रेड के दौरान मिले दस्तावेजों और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की पड़ताल के बाद यह अगली चरण की कार्रवाई की गई है। ईडी टीम कई घंटों से लगातार तलाशी में जुटी है और संभावना है कि अभियान देर रात तक जारी रहेगी।

15 से शुरू होगी धान की खरीद

2,450 रु प्रति क्विंटल मिलेंगे किसानों को



रांची। झारखंड की हेमंत सरकार ने खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत राज्य में धान अधिप्राप्ति कार्य 15 दिसंबर 2025 (सोमवार) से शुरू करने की घोषणा की है। राज्यभर में धान खरीद के लिए 783 अधिप्राप्ति केंद्र बनाए गए हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शुक्रवार को बताया कि इस वर्ष किसानों को धान बिक्री पर बोनस सहित प्रति क्विंटल 2,450 रुपये एकमुश्त भुगतान किया जाएगा। मंत्री इरफान अंसारी ने राज्य के सभी मंत्रियों, सांसदों और विधायकों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के चयनित धान अधिप्राप्ति केंद्रों (लैम्पस, पैक्स) आदि पर पहुंचकर धान



अधिप्राप्ति कार्य का शुभारंभ करें। डॉ. अंसारी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का यह दायित्व है कि वे किसानों का मनोबल बढ़ाएं। सरकार किसानों के प्रति गंभीर है, क्योंकि किसान समाज की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से किसानों की भरोसा मिलेगा कि सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। मंत्री इरफान अंसारी ने यह भी कहा कि किसानों को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता है और इसी सोच के तहत लगातार साहसिक निर्णय लिए जा रहे हैं। धान अधिप्राप्ति योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार तभी संभव है, जब जनप्रतिनिधि इसमें शामिल होकर किसानों को प्रोत्साहित करें।

किसानों की समृद्धि ही झारखण्ड की शक्ति

700 से अधिक धान अधिप्राप्ति केन्द्रों पर

दिनांक 15.12.2025 से धान अधिप्राप्ति का कार्य हो रहा प्रारंभ

किसानों को प्रति क्विंटल धान **₹2450** का एकमुश्त एवं त्वरित भुगतान किया जाएगा

धान अधिप्राप्ति योजना के मुख्य बिन्दु

- 4G e-POS के माध्यम से आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन पर धान की बिक्री
- मोबाईल ऐप के माध्यम से स्लॉट बुकिंग

ई-उपार्जन पोर्टल पर ऑनलाईन निबंधन करें

हेमन्ता सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 368438 (Food Public Distribution and Consumer Affairs) 2025-26

धनबाद में 76 नवनियुक्त पंचायत सेवकों की सेवा सम्मुष्टि

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत



स्थापना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी आवेदनों की जांच करने के पश्चात 76 नवनियुक्त पंचायत सेवकों की सेवा संपुष्टि करने का निर्देश दिया। इसके बाद उपायुक्त ने स्कोनिंग समिति के साथ भी बैठक की। जिसमें 34 पंचायत सेवकों को संशोधित सुनिश्चित वित्तीय उन्नयन (एम.एस.सी.पी.) प्रदान किया। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

मऊ स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के महेनजर धनबाद-गोरखपुर-धनबाद स्पेशल ट्रेनों के परियालन का निरस्तीकरण

धनबाद। उत्तर पूर्वी रेलवे के मऊ स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के महेनजर धनबाद-गोरखपुर-धनबाद स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निरस्तीकरण किया जाएगा जिनका विवरण इस प्रकार है-

क्र.सं.	गाड़ी सं.	गाड़ी का नाम	निरस्तीकरण की तिथि
1.	03677	धनबाद- गोरखपुर स्पेशल	14.12.25 से 11.01.26 तक
2.	03678	गोरखपुर - धनबाद स्पेशल	15.12.25 से 12.01.26 तक

लाला खान हत्याकांड मामले , साक्ष्य के अभाव में सभी आरोपित न्यायालय से बरी

धनबाद। वासेपुर के जमीन कारोबारी लाला खान हत्याकांड मामले में धनबाद जिला जज दुर्गेश चन्द्र अवस्थी की अदालत ने शुक्रवार को अपना फैसला सुनाते हुए साक्ष्य के अभाव में बाकी सभी 7 आरोपियों को रिहा कर दिया है। बता दें कि लाला खान हत्याकांड मामले में कुल 13 लोगों को आरोपित बनाया गया था, जिसमें से 6 आरोपितों को पठले ही अदालत से रिहाई मिल चुकी है। वहीं, बाकी 7 लोगों को आज न्यायालय से रिहाई मिल गई। बचाव पक्ष के वकील शैयद अताउल्ला ने बताया कि लाला खान हत्या मामले के इंफॉर्मेट अदालत में होरश्टाइल हो गया था, जिसके बाद बचाव पक्ष लगातार न्यायालय में यह दावा करता रहा कि आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है, जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए आज साक्ष्य के अभाव में इस मामले के सभी आरोपितों को रिहा कर दिया। बता दें कि इस मामले में अमन सिंह और आशीष रंजन भी नामजद थे, जिनकी पहले ही मौत हो चुकी है। गौरतलब है कि जमीन कारोबारी मो. असर्फ अल हसन उर्फ लाला खान को 12 मई 2021 को दिनदहाड़े जब्बार मज्जद के सामने अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

डीएवी स्कूल बरोरा में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

धनबाद/बरोरा । डीएवी बरोरा में जिला मुख्यालय धनबाद से आए लोचन कुमार महतो प्रशिक्षक के निर्देशन में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में तंबाकू व दशमी के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा तंबाकू के उपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और तंबाकू उत्पादों के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए शुरू किया जा रहा है। कार्यक्रम के पश्चात छात्र-छात्राओं से प्रश्न पूछे गए और प्रथम नंदिनी वर्मन द्वितीय सोनी कुमारी व तृतीय अमन कुमार दास को प्रभारी प्राचार्य आशीष कुमार सिंह के हाथों पुरस्कृत किया गया।

कतरास में मारवाड़ी समाज ने लगाया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

धनबाद/कतरास। राजस्थानी समाज भवन कतरास में शुक्रवार को राजस्थानी समाज ट्रस्ट, मारवाड़ी सम्मेलन कतरास एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में मरीजों की जांच कर कईयों को ऑपरेशन योग्य पाया गया. शिविर में मरीजों की जांच एएसजी आई हॉस्पिटल धनबाद के डॉ अभिषेक आनंद,डॉ संजय रजक ने की. शिविर को सफल बनाने में मारवाड़ी महिला समिति के अध्यक्ष तितु अग्रवाल, श्वेता खडेलवाल, प्रियंका चौधरी, रूपा डंग्राईच, अंशु अग्रवाल, मीना अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, संगीता जलान, शिल्पा गोयल, अंजू चौधरी आदि थे.

टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा ऑगन बाड़ी का उद्घाटन किए शत्रुघ्न महतो

सहिया दीदी के मध्य पुस्तक वितरण किए बाघमारा विधायक
धनबाद/कतरास। बाघमारा के लोकप्रिय विधायक शत्रुघ्न महतो सिजुआ में टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा नव निर्मित आंगनबाड़ी का उद्घाटन किए इस उद्घाटन का तात्पर्य के निमित्त महिला दीदी को संबोधित करते हुए विधायक कहे. एक नए आंगनवाड़ी केंद्र ग्रामीण बाल देखभाल केंद्र को समुदाय के लिए शुरू करना है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों (0-6 वर्ष), गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करने वाली माताओं को पूरक पोषण, स्वास्थ्य जाँच, टीकाकरण, पोषण शिक्षा और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाएँ प्रदान करना है, ताकि कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा सके और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी देखभाल सुनिश्चित हो सके। मौके पर बाघमारा प्रखंड के सीओ व सभी प्रबुद्धजन मौजूद थे.

लालच में हत्या, तीनों दोषियों को उम्रकैद

दो लाख को दो करोड़ बनाने के झांसे में महिला की निर्मम हत्या



आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये जुमाना की सजा सुनाई है। अदालत ने तीनों को दोषी करार देते हुए कहा कि यह हत्या योजनाबद्ध और विश्वासघात से जुड़ा जघन्य अपराध है। इस मामले में मृतका का पति कृष्ण कुमार भी संजिष में शामिल बताया गया है, लेकिन वह अब तक फरार चल रहा है। स्टेशन मास्टर पद पर कार्यरत कृष्ण कुमार की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। घटना 29 जून 2021 की है, जब कृष्ण कुमार अपनी पत्नी सुनीता देवी और बेटी को लेकर कुमीर्डीह स्थित मां तारा रेस्टोरेंट पहुंचा था। आरोप है कि सुनीता को दो लाख को दो करोड़ बनाने का झांसा देकर रेस्टोरेंट बुलाया गया था। रेस्टोरेंट पहुंचने के कुछ ही देर बाद आरोपी तीनों ने उसकी हत्या कर दी और खतबू मिटाने के लिए शव को सेप्टिक टैंक में फेंक दिया। मामले का खुलासा तब हुआ जब सुनीता की बेटी रेस्टोरेंट पहुंची और वहां पड़े चप्पल और दुपट्टा को पहचान लिया। पुलिस ने तत्काल सेप्टिक टैंक की तलाशी ली, जहां से सुनीता का शव बरामद हुआ। अदालत के फैसले के बाद मृतका के परिजनों ने कहा कि उन्हें देर से सही, लेकिन न्याय मिला है।

धनबाद के निरसा अनुमंडल में खुलेआम जारी है झारखंड में प्रतिबंधित अवैध लॉटरी की बिक्री

नवप्रदेश/धनबाद/निरसा। निरसा अनुमंडल के निरसा, काजूबाथान, मैथन, गलफरबाड़ी, पंचेत, चिरकुंडा, कुमारघुबी, एमपीएल आदि क्षेत्रों में झारखंड में प्रतिबंधित पश्चिम बंगाल, सिक्किम, भूटान, अरुणाचल प्रदेश आदि राज्यों की लॉटरी के टिकटों की बिक्री खुलेआम जारी है। सबकुछ जानते हुए भी स्थानीय पुलिस मुकदर्शक बनी हुई है। इसका जीता जागता नजारा निरसा चौक पर खुलेआम देखा जा सकता है। ज्ञात हो कि पूर्व में एनएच-2 स्थित निरसा चौक पर पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा



प्रतिबंधित लॉटरी के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया था। छापेमारी का नेतृत्व निरसा के पूर्व एसडीपीओ विजय कुशवाहा कर

रहे थे। छापेमारी के बाद जब प्रतिबंधित लॉटरी व युवकों को निरसा थाना के हवाले कर दिया था । निरसा पुलिस पकड़े गए युवकों

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

पूर्व एसडीपीओ कुशवाहा ने कहा था कि निरसा चौक पर जमतड़ा रोड जाने वाले मार्ग पर गुमटीनुमा

पर केस दर्ज किया था।

धान अधिप्राप्ति केंद्रों के बीच 4जी ई-पोस मशीन का वितरण



नवप्रदेश/धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर आपूर्ति विभाग द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय के सभागार में धान अधिप्राप्ति केंद्रों (पैक्स) के बीच 4जी ई-पोस मशीन का वितरण किया गया।

खारिज विपणन मौसम 2025-26 में धान अधिप्राप्ति योजना के अंतर्गत जिले के सभी 18 धान

अधिप्राप्ति केंद्रों को यह मशीन दिया गया है। नई मशीन की गति अधिक होने के कारण धान अधिप्राप्ति की सभी प्रक्रिया में कम समय लगेगा और भुगतान भी शीघ्र होगा।

मौके पर आपूर्ति विभाग के सदीप कुमार, अमित कुमार तथा विजन टैक टेक्निकल के पिंटू कुमार सहित पैक्स के प्रतिनिधि मौजूद थे।

किशोरावस्था में होते हैं हार्मोनल बदलाव, डरे नहीं, सवाल पूछे

स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत एचई स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

नवप्रदेश/धनबाद: किशोरावस्था को काफी संवेदनशील माना गया है। इसमें उम्र के बढ़ने के साथ शारीरिक और हार्मोनल बदलाव तेजी से होते हैं। मन में कई प्रकार के चिंता और प्रश्न आने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि किसी भी विषय को लेकर चिंता और अवसाद में नहीं रहे। जिज्ञासु बने, अपने अभिभावक से जरूर शेयर करें। यह बातें शुक्रवार को हीरापुर स्थित एचई स्कूल में सदर अस्पताल की युवा मैत्री केंद्र की काउंसलर रानी प्रसाद ने कही। वह शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किशोरियों को जागरूक कर रही थी। उन्होंने बताया कि छात्राओं को पोषण से संबंधित जानकारी दी गई। अपने पौष्टिक आहार लेने की



सलाह दी गई बताया गया कि लगभग 50 प्रतिशत छात्राएँ पोषण की कमी से एनीमिया की शिकार हो जाती है। इसके साथ ही पर्सनल हाइजीन की जानकारी दी गई। किशोरियों को तनाव प्रबंधन के बारे में भी बताया गया। मौके पर प्राचार्य राजेश कुमार समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे।

किशोरावस्था अत्यंत संवेदनशील रानी प्रसाद ने बताया कि किशोरावस्था में परिपक्वता मजबूत नहीं होती है। इस युग में सैद्धांतिक ज्ञान की अपेक्षा व्यवहारिक ज्ञान की कमी होती है। यही वजह है कि किशोर अवस्था में बच्चे हमेशा दुविधा की स्थिति में रहते हैं। इस उम्र की अवस्था में अभिभावकों एवं शिक्षकों के अधिक केयर की जरूरत है। ऐसे में जरूरी हो जाता

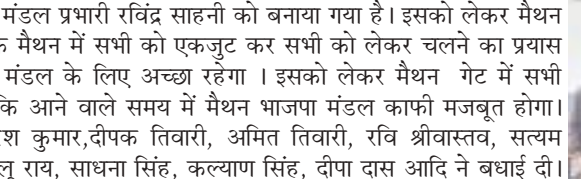
है किशोर किशोरियों का मार्गदर्शन करते रहें, और समय-समय पर उन्हें उचित और बेहतर काउंसलिंग करते रहें।

अभिभावक से अच्छा और सच्चा दोस्त कोई नहीं

छत्रों को बताया गया कि सोशल साइट के उपयोग करते वक्त सावधान रहने की जरूरत है। सोशल साइट पर कई गलत सामग्रियां रहती हैं। अनजान से संपर्क नहीं करना चाहिए। कोशिश यही करें कि सोशल साइट का उपयोग कम करें। और यदि करते भी हैं तो केवल अपने परिचित के आसपास ही रहे। अपने अभिभावक से कुछ भी ना छुपाएं। हर दिन की होने वाली गतिविधि से उन्हें जरूर अवगत कराएं। क्योंकि अभिभावक से अच्छा और सच्चा दोस्त कोई नहीं होता।

भाजपा के मैथन मंडल अध्यक्ष बने अमरनाथ साहू तो मैथन मंडल प्रभारी रविंद्र साहनी

नवप्रदेश/धनबाद/मैथन। मैथन मंडल अध्यक्ष अमरनाथ साहू एवं मैथन मंडल प्रभारी रविंद्र साहनी को बनाया गया है। इसको लेकर मैथन के निवर्तमान अध्यक्ष दीनबंधु महतो ने दोनों को बधाई देते हुए कहा कि मैथन में सभी को एकजुट कर सभी को लेकर चलने का प्रयास जिस तरह मैंने किया था, उसी तरह यह लोग भी करें। मैथन भाजपा मंडल के लिए अच्छा रहेगा। इसको लेकर मैथन गेट में सभी भाजपाइयों ने मंडल अध्यक्ष प्रभारी का स्वागत करते-करते हुए कहा कि आने वाले समय में मैथन भाजपा मंडल काफी मजबूत होगा। बधाई देने वालों में संजीत कुमार,भोलानाथ लोहार ,राजू रजक, सुरेश कुमार,दीपक तिवारी, अमित तिवारी, रवि श्रीवास्तव, सत्यम चौबे,देवाशीष महतो, प्रदीप महतो,धीरज धीरज धीरज शेखर सिंह, बबलू राय, साधना सिंह, कल्याण सिंह, दीपा दास आदि ने बधाई दी।



दिवस के रूप में मनाया

है। इस दिन का महत्व केवल उनके शौर्य को याद करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज में देशी उत्पादों के समर्थन और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की भावना को भी उजागर करता है। उनकी शहादत ने मजदूर वर्ग, छात्रों और आम नागरिकों को प्रेरित किया कि वे अपने देश के आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों के लिए खड़े हों।बाबू गेनू का योगदान यह दिखाता है कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक अधिकार तक सीमित नहीं थी, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता भी उसनी ही महत्वपूर्ण थी। बाबू गेनू का नाम आज भी स्वदेशी आंदोलन और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है। उनके बलिदान ने यह संदेश दिया कि साहस और देशभक्ति से किसी भी औपनिवेशिक शक्ति का सामना किया जा सकता है।स्वदेशी दिवस पर उन्हें याद करना न केवल

उनके शौर्य को सम्मानित करना है, बल्कि यह भारतीय समाज के लिए अपने उत्पादों और संसाधनों के महत्व को समझने का अवसर भी है। बाबू गेनू की कहानी हमें यह याद दिलाती है कि देशभक्ति के छोटे-छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं, और उनके बलिदान का स्मरण हमें अपने समाज में स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग और समर्थन के लिए प्रेरित करता है।।कार्यक्रम में मुख्य रूप से पप्पू विश्वकर्म सांठन मंत्री भवन निर्माण झारखंड प्रदेश, अशोक राय जिला उपाध्यक्ष, चंद्र भूषण प्रसाद,अध्यक्ष सीएमपीएफ विपिन कुमार,जिला सह मंत्री, नवनील कुमार सिंह बाबू राम तांती,अनिल कुमार ,कार्यालय मंत्री, शिवप्रसाद वर्मा खेती हर मजदूर संघ,महामंत्री संतोष कुमार सिंह, दीपक सिंह व सभी प्रमुख कार्यकर्ता शामिल हुए।

बाबू गेनू के बलिदान दिवस को भागसं ने स्वदेशी

नवप्रदेश/धनबाद: स्वदेशी के प्रथम बलिदानी बाबू गेनू के बलिदान दिवस 12 दिसंबर को स्वदेशी दिवस के रूप में भारतीय मजदूर संघ मानती है। शुक्रवार को विश्वकर्मा भवन कार्यालय पुलिस लाइन, हीरापुर, धनबाद में स्वदेशी दिवस कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के उपाध्यक्ष राघवेंद्र पांडे ने किया मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश कार्य समिति के सदस्य ओम कुमार सिंह उपस्थित हुए। साथ ही इस कार्यक्रम को जिला मंत्री धर्मजीत चौधरी ने भी संबोधित किया।कार्य क्रम का संचालन स्वदेशी आ्याम प्रमुख सौरभ कुमार ने किया। इतिहास का ऐसा नाम 'बाबू गेनू', जिसने दी थी ब्रिटिश व्यापारी प्रथाओं को चुनौतीमुंबई के मजदूर और स्वतंत्रता सेनानी बाबू गेनू का

शहीदी बलिदान स्वदेशी आंदोलन का प्रतीक है। 12 दिसंबर को मनाया जाने वाला स्वदेशी दिवस उनके साहस और देशभक्ति को याद करता है। इस दिन का महत्व भारतीय उत्पादों के समर्थन और विदेशी वस्तुों के विरोध में निहित है।बिबीसौ सदी के प्रारंभिक वर्षों में, जब भारत अंग्रेजों की औपनिवेशिक हुकूमत के तहत जूझ रहा था, तब मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) में एक सामान्य मजदूर की वे अपने देश के वस्तुओं और इतिहास को प्रेरित कर दिया। उनका नाम था बाबू गेनू, जिन्होंने स्वदेशी आंदोलन के तहत विदेशी वस्तुओं के आयात के खिलाफ आवाज उठाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।बाबू गेनू का व्यक्तित्व भले ही इतिहास में विस्तृत रूप से दर्ज न हो, लेकिन उनका बलिदान उन्हें स्वदेशी आंदोलन का अमर प्रतीक बनाता



है। उन्होंने न केवल ब्रिटिश आर्थिक उत्पीड़न के खिलाफ विरोध किया, बल्कि आम जनता को अपने देश के वस्तुओं और उत्पादों के प्रति जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाबू गेनू का योगदान मुख्य रूप से विदेशी वस्तुओं के आयात विरोधी आंदोलनों में रहा।ब्रिटिश शासन भारतीय उद्योगों को कमजोर करने के लिए विदेशी कपड़े भारत में लाता था। इसी आर्थिक शोषण के खिलाफ बाबू जिन्ू ने सक्रिय विरोध

किया। 12 दिसंबर 1930 को मुंबई में एक ऐतिहासिक घटना घटी। बाबू गेनू ने एक ऐसे लोरी को रोकने का प्रयास किया, जिसमें विदेशी कपड़े ले जा रहे थे। उनके इस साहसी प्रयास के दौरान ब्रिटिश पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई और बाबू गेनू शहीद हो गए। उनका यह बलिदान स्वदेशी आंदोलन के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया। बाबू गेनू के बलिदान को याद करने के लिए स्वदेशी दिवस प्रतिवर्ष 12 दिसंबर को मनाया जाता

संपादकीय



जापान में बढ़े स्मृतिबंध पीड़ित

दुनिया के लिए बड़ा संकट है। जापान में डिमेंशिया (स्मृतिभ्रंश) पीड़ितों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। वहीं दूसरी ओर जापान में बुजुर्गों की देखभाल करने वाले नवजवानों की संख्या कम है। इस कारण वहां सरकार ने बुजुर्गों की देखभाल के लिए तकनीक का सहारा ले रही है। एप्से में 2024 में डिमेंशिया से पीड़ित करीब 18,000 बुजुर्ग अपने घर का रास्ता भूलकर भटक गये। इनमें से 500 की लाश बाद में लावारिस हालत में बरामद हुई। जापानी अधिकारियों का कहना है कि 2012 के बाद से यानी बीते 12 साल में ऐसे मामलों की संख्या दोगुनी हो गई हैं। एप्से में जापान की सरकार डिमेंशिया को बड़ी चुनौती की तरह देख रही है। जापानी सरकार ने इस पर गंभीरता से पहल किया है और डिमेंशिया की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए टेक्नोलॉजी का सहारा ले रही है। जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, रोबोटिक सहायक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकें डिमेंशिया से पीड़ित लोगों को ट्रैक करने, उनकी पहचान करने और उन्हें भावनात्मक सहारा देने में मदद कर रही हैं। जापान की सरकार ने डिमेंशिया को अपनी सबसे जरूरी नीतियों में से एक माना है। जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय का अनुमान है कि साल 2030 तक डिमेंशिया से जुड़ी स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल पर होने वाला खर्च बढ़कर 14 ट्रिलियन येन (90 अरब डॉलर) हो जाएगा। फिलहाल यह खर्च 9 ट्रिलियन येन है। जापान में उन लोगों को ट्रैक करने के लिए जीपीएस आधारित सिस्टम अपनाया जा रहा है, जो भटक जाते हैं। कई इलाकों में पहनने योग्य जीपीएस टैग दिए जा रहे हैं। ये टैग तुरंत अधिकारियों को सूचित कर देते हैं, अगर कोई व्यक्ति तय की गई जगह से बाहर जाता है। यह एक तरह का सामुदायिक सुरक्षा जाल है, जो कुछ ही घंटों में लापता व्यक्ति का पता लगा सकता है। दूसरी ओर डिमेंशिया का जल्दी पता लगाने के लिए भी नई तकनीकें विकसित की जा रही हैं। डिमेंशिया के शुरुआती लक्षणों में चलते समय पैर घसीटना या खड़े होने में कठिनाई का पता लगा सकता है। वासेडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता एक रोबोट विकसित कर रहे हैं। यह 150 किलोग्राम का एक ह्यूमनॉइड रोबोट है, जिसे भविष्य का देखभाल सहायक माना जा रहा है। यह रोबोट मोजे पहनने और अंडे फेटने से लेकर कपड़े तह करने जैसे काम करेगा। एक्सपर्ट का कहना है कि डिवाइस और रोबोट सहायता के नए तरीके प्रदान करते हैं। इससे जापान जैसे देश में उम्मीद बंधती है, जहां पहले ही बुजुर्गों की देखभाल करने के लिए जवान आबादी कम है। हालांकि इन तकनीकों के जरिए मानवीय जुड़ाव को नहीं बदला जा सकता है। रोबोट लोगों की मदद कर सकता है, भावनात्मक रूप से उनकी मदद नहीं कर सकता है। दुनिया में यह नया तरह का संकट है, जहां बुजुर्गों की संख्या ज्यादा है और जवान आबादी कम। यह संकट अन्य देशों में भी हो सकता है, जिसके लिए मानवीय पहल और नीति की आवश्यकता है।

मुद्दा

विचारों से ही पैदा होते हैं दुख सारे

सुंदर चंद ठाकुर

मार्क्स ऑरिलियस रोम का सम्राट था, पर उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसकी तलवार नहीं, उसका मन था। युद्ध, पडवय़, विश्वासघात और मृत्यु की छाया के बीच जीते हुए भी वह शांत रहना जानता था। उसने कहा था - घटना आपको चोट नहीं पहुंचाती, आपकी प्रतिक्रिया पहुंचाती है। यही स्टोइक दर्शन का सार है। जीवन को बदलना कठिन है, पर अपने विचारों की संभालना संभव है। मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यही है कि वह उन चीजों को नियंत्रित करना चाहता है, जो उसके वश में होती ही नहीं। लोग क्या कहेंगे, परिस्थितियाँ कैसे बदलेंगी, किसका व्यवहार कैसा होगा, दुनिया हमें कैसे देखेगी। जितना अधिक हम बाहरी दुनिया को अपने अनुसार ढालना चाहते हैं, उतनी ही अधिक पीड़ा बढ़ती है। मार्क्स ने कहा था -जितुं तुम नियंत्रित नहीं कर सकते, उसे अपना शत्रु मत बनाओ। पर हम रोज ऐसा ही करते हैं। यदि कोई हमारे बारे में गलत बोल द, तो हमारा मन जल उठता है। यदि कोई अपना बिगड़ जाए, तो हम बेचैन हो जाते हैं। यदि कोई प्रिय व्यक्ति उम्मीद के अनुसार बर्ताव न करे, तो हम टूट जाते हैं। हम सोचते हैं दुख बाहर से आया है, जबकि वह अंदर की असमर्थ प्रतिक्रिया से पैदा होता है। स्टोइक दृष्टिकोण कहता है कि दुनिया में केवल दो चीजें हैं - वे जो हमारे नियंत्रण में हैं और वे जो पूरी तरह नियंत्रण के बाहर। हमारे नियंत्रण पर तब सोने से पहले एक बात लिखते थे -आज किसी ने मेरे साथ अच्छा भी किया और बुरा भी। अच्छा मेरे सोभाव्य से आया और बुरा मेरी परीक्षा के लिए। यह वाक्य दर्द को हल्का नहीं करता, बल्कि मन को मजबूत बनाता है। जब आप यह मान लेते हैं कि हर स्थिति आपको कुछ सिखाने आई है, तो शिकायत की जगह सझझ आ जाती है। एक दूसरा सच यह है कि हमारा दुख घटनाओं से नहीं, हमारी कहानियों से पैदा होता है। घटना कहती है - यह हुआ। मन कहता है-यह क्यों हुआ? मेरे साथ ही क्यों हुआ? और इसी प्रश्न में पीड़ा छिपी रहती है। यदि हम केवल घटना को देखें, तो मन शांत रहता है। पर यदि मन कहानी बनाना शुरू करे, तो जीवन बोझ जैसा लगता है। मार्क्स का एक और बड़ा वाक्य है -जिस तुम बदल नहीं सकते, उसे स्वीकार कर लो। कितना ताकतवर वाक्य है यह। अकेले अगर इसी वाक्य को जीवन पर लागू किया, तो दुख से मुक्त हो जाओगे। यदि रखिए कि स्वीकार करना हारना नहीं है बल्कि यह अपने मन को बचाना है। जब हम स्वीकार करते हैं, तो भीतर एक अद्भुत हल्कापन आता है। उस हल्केपन में हम समझे पाते हैं कि जीवन हर समय हमारे अनुसार नहीं चलेगा, पर हमारा मन हर समय हमारी पकड़ में रह सकता है। और समय को भी हम मजबूत मन के साथ ढेर-सबेर अपने अनुकूल बना सकते हैं। इस संसार में कोई भी मनुष्य बाहरी त्पणों को रोक नहीं सकता, पर हर मनुष्य यह तय कर सकता है कि वह भीतर कैसा मौसम बनाना चाहता है। यदि मन की खिड़कियां बंद हों, तो बाहर की आंधी भीतर नहीं घुस सकती।



गिरीश्वर मिश्र

बढ़ती जनसंख्या से ऊर्जा की जरूरतें निरंतर बढ़ रही है। नवीकरणीय ऊर्जा समस्या से निपटने की एक अच्छी युक्ति है। सौर ऊर्जा मानव जाति की सभी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त भी है। इस विशाल ऊर्जा स्रोत का दोहन एक समाधान है। ऊर्जा संरक्षण के प्रश्न पर विचार करते हुए कम खर्चीले और प्रदूषणमुक्त ऊर्जा स्रोतों की खोज जारी है।



डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि देश विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, परंतु स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक व्यय आज भी दुनिया के सबसे कम आंकड़ों में शामिल है।

ऊर्जा के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। भौतिक नियम बताता है कि ऊर्जा न पैदा की सकती है न समाप्त; उसका सिर्फ़. रूपांतरण ही होता है। मानव जीवन की सारी गतिविधियां इस मायावी ऊर्जा पर ही टिकी हुई हैं। ऊर्जा ही अपना रूप बदल-बदल कर हमारी कल्पनाओं को साकार करती है। सामान्यतः अहश्य-सी रहने वाली ऊर्जा हमारे दृश्य जगत को रचते हुए हर जगह हावी है। ऊर्जा के नए-नए स्रोत खोजे जाते रहे हैं, जो आणविक ऊर्जा तक पहुंचे हैं। ईंधन से भोजन बनाने में ही नहीं उसके लिए प्रयोग में आने वाली सामग्री हम तक पहुंचे इसके लिए हर कदम पर जरूरी मशीन, उपर्क, पानी सबके लिए अलग-अलग तरह से ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। ऐसे ही परिवहन, मौसम से सुरक्षा और वस्तुओं के निर्माण के लिए भी ऊर्जा आवश्यक है। दरअसल, आधुनिक जीवन शैली, पारिस्थितिकी, प्रदूषण और ऊर्जा के उपयोग के प्रश्न आपस में बुरी तरह से गुंथे हुए हैं। विकास के साथ प्रति व्यक्ति ऊर्जा की मांग बढ़ रही है। समृद्ध देशों में जीवन स्तर को उन्नत रखने के लिए अधिकाधिक ऊर्जा चाहिए, उपरते देशों में कृषि अर्थ व्यवस्था से औद्योगिक व्यवस्था की तरफ आगे बढ़ने में भी ऊर्जा चाहिए। परंतु यह भी जरूरी है कि उन 80 प्रतिशत लोगों के साथ मिल कर काम किया जाय जिनके पास केवल एक चौथाई संपत्ति है। ऊर्जा की समस्या वैज्ञानिक, तकनीकी, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कई जटिल समस्याओं का परस्पर गुंथा समूह है। भारतवर्ष की विशालकाय जनसंख्या और आर्थिक गतिविधि में तेजी के कारण यहाँ ऊर्जा की माँग निरंतर बढ़ती जा रही है। आज भारत विश्व में ऊर्जा की खपत की दृष्टि से तीसरे स्थान पर है। परंतु हमारा बुनियादी ढांचा कमजोर पड़ रहा है जिसके चलते बिजली आपूर्ति में बड़ी बाधा पहुँचती है और उसका दुरुपयोग भी होता है। साथ ही देश में ऊर्जा की गरीबी भी बनी हुई है। दुर्बल वर्ग के लोगों को बिजली और अन्य आधुनिक ऊर्जा के संसाधन अभी भी उपलब्ध नहीं हो सके हैं। यह भी गौरतलब है कि जीवाश्म ऊर्जा (फॉसिल फ्यूल) के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन की मात्रा भी तेजी से बढ़ रही है। इसका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव है और वह खतरनाक साबित हो रहा है। भारत की ऊर्जा मुख्यतया जीवाश्म ईंधन यानी कोयला, तेल तथा गैस आदि से उपलब्ध होती है। आज देश में बिजली उत्पादन का 70 प्रतिशत कोयले

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा और उसकी दिशा तेजी से बदल रही है। चिकित्सा, जो कभी सार्वजनिक दायित्व और कल्याणकारी राज्य की बुनियादी जिम्मेदारी माना जाता था, अब अधिकाधिक निजी क्षेत्र के हाथों में जाता दिख रहा है। एक ओर, सरकारी स्वास्थ्य ढांचा सीमित बजट, कम मानव संसाधन और कमजोर बुनियादी ढांचे से जूझ रहा है; दूसरी ओर, निजी अस्पतालों और कॉर्पोरेट मेडिकल चेन की पहुंच और उसका प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। दोनों के बीच अगर नागरिक, विशेषकर गरीब-ग्रामीण और हाशिए पर रहने वाले समुदाय, स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत और असमान पहुंच के बोझ तले दब रहे हैं। इसी बदलते परिदृश्य में, यह बहस तेज हो गई है कि क्या स्वास्थ्य को न्यायसंगत और लागू करने योग्य मौलिक अधिकार बनाया जा सकेगा। यह कानूनी के साथ-साथ राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक प्रश्न भी है।

भारत में स्वास्थ्य का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से अनुच्छेद 21 के अंतर्गत न्यायालयों द्वारा मान्यता प्राप्त है, पर इसे अभी तक स्पष्ट रूप से स्वतंत्र मौलिक अधिकार नहीं बनाया गया है। इसका बड़ा कारण यह है कि राज्य अभी तक ऐसी बाध्यकारी जिम्मेदारी स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है जिसमें हर नागरिक को समान, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि देश विश्व

में देखा गया और उसे समाप्त करने के लिए जिहाद को आवश्यक बताया गया। जिहाद केवल हिंसा का नाम नहीं है। यह संघर्ष का व्यापक स्वरूप है। इसका उद्देश्य केवल हथियार उठाना नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी ढांचे पर धीरे-धीरे नियंत्रण स्थापित करना भी है। उदाहरण के तौर पर- सड़क या सार्वजनिक स्थानों में नमाज, मंदिरों और धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति, हलाल भोजन की मांग, शादी और पारिवारिक मामलों में धार्मिक दबाव, शरिया आधारित

विवाद निपटान की मांग- ये सभी अहिंसक जिहाद के स्वरूप हैं। हिंसक और अहिंसक, सीधे और छल-कपट के माध्यम से जिहाद चलता रहता है। सहीह बुखारी और कुरान के आंकड़े बताते हैं कि जिहाद का अधिकांश उल्लेख हथियारबंद संघर्ष से जुड़ा है। कुरान का नौवां अध्याय (अल-बारा) और आयतें 9:5, 9:29, 9:41, 9:73, 9:123- सभी स्पष्ट रूप से युद्ध के निर्देश देती हैं। यहाँ स्पष्ट रूप से दिखता है कि राजनीतिक इस्लाम का लक्ष्य केवल

धर्मांतरण नहीं, बल्कि नियंत्रण और सत्ता स्थापित करना है। इतिहास भी इस तथ्य की पुष्टि करता है। सिंध पर मुहम्मद बिन कासिम के आक्रमण से लेकर दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य तक, भारत में जिहाद लगातार दिखाई देता है। बीसवीं सदी में मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन और विभाजन की राजनीति में भी यही प्रवृत्ति रही। हिंसा, धमकी और दबाव- सभी जिहाद के औजार रहे हैं। आज भारत में राजनीतिक इस्लाम केवल हिंसा या आतंकी गतिविधियों तक सीमित नहीं



पर टिका है। आयात और घरेलू आपूर्ति में कमी के चलते यह अब बड़ा मंहगा पड़ रहा है। इस पर निर्भरता, ऊर्जा की बढ़ती मांग, अन्य देशों पर निर्भरता, पुराने कि स्म का ढाँचा और नवीकरण की संभावना वाले ऊर्जा स्रोतों को अपनाने में धीमी गति ने देश के सामने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इनसे ऊर्जा-सुरक्षा, विकास के टिकाऊपन और पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी समस्याएँ जन्म ले रही हैं। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा में निवेश तो बढ़ा है फिर भी कच्चे तेल और कोयले के आयात के कारण आर्थिक दबाव बहुत ज्यादा बना हुआ है। आज आवश्यकता है कि नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार हो और ऊर्जा का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाय। देश को अपने संसाधनों की खोज बढ़ानी होगी ताकि ऊर्जा की दृष्टि से आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। बिजली के ट्रांसमिशन और वितरण के नेटवर्क को अविलंब सुधारा होगा ताकि ऊर्जा चोरी और दुरुपयोग की रोकथाम हो सके। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक स्तर पर ऊर्जा समस्या अगले सौ वर्षों में मानवता की शीर्ष दस समस्याओं में से एक गंभीर समस्या बनेगी। वह मानवता के सममुख खड़ी समस्याओं में चिकटम हो रही है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले खाड़ी युद्धों और सद्यः चल रहे युद्ध की पृष्ठभूमि में ऊर्जा का प्रश्न भी मौजूद है। बढ़ती जनसंख्या से ऊर्जा की जरूरतें निरंतर बढ़ रही हैं। नवीकरणीय ऊर्जा समस्या से निपटने की एक अच्छी युक्ति है। सौर ऊर्जा मानव जाति की सभी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त भी है। इस विशाल ऊर्जा स्रोत का दोहन एक समाधान है। ऊर्जा संरक्षण के प्रश्न पर विचार करते हुए कम खचीलें और प्रदूषणमुक्त ऊर्जा स्रोतों की खोज जारी है। हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा के उपयोग की दिशा में प्रगति हुई है। ऊर्जा संकट का एक व्यवहारिक पक्ष भी है। इस संकट का समाधान ऊर्जा-संरक्षण

स्वास्थ्य के अधिकार की लड़ाई



की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, परंतु स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक व्यय आज भी दुनिया के सबसे कम आंकड़ों में शामिल है। जब राज्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पर्याप्त बजट नहीं देता, तब स्वाभाविक रूप से रिक्त स्थान निजी क्षेत्र भरता है और यहीं से उत्पन्न होती है अनियंत्रित शुल्क, अनावश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएँ और आम व्यक्ति की आर्थिक तबाही। निजीकरण के विस्तार का दूसरा पहलू यह है कि यह केवल स्वास्थ्य सुविधाओं के संचालन तक सीमित नहीं है; यह स्वास्थ्य नीति, दवाओं की कीमतों, बीमा योजनाओं और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) की दिशा को भी प्रभावित कर रहा है। जब स्वास्थ्य एक लाभ आधारित उद्योग में बदल जाता है तब उपचार की प्रकृति, लागत, पहुंच और गुणवत्ता सभी बाजार के नियमों के अधीन हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य का अधिकार कागज पर तो हो सकता है पर धरातल पर वह व्यापक रूप से लागू नहीं हो पाता।



के लिए जरूरी अभ्यास की अपेक्षा करता है। आदतों में बदलाव द्वारा ऊर्जा के उपभोग में कमी लाकर ऊर्जा के दुरुपयोग को नियंत्रित और कम किया जा सकता है। इस दृष्टि से विभिन्न कार्यों के लिए कम ऊर्जा की खपत वाली ऊर्जा-सक्षम तकनीकों का अवलंबन भी कारगार साबित होगा। ऐसे कदम उठाने का पर्यावरणीय लाभ भी मिलेगा। ग्रीन हाउस गैस के उत्पादन पर नियंत्रण होगा और दूसरे प्रदूषकों, जो जलवायु-परिवर्तन को तीव्र करते हैं और प्राकृतिक आवास का क्षण करते हैं उनसे रक्षा भी होगी। इससे घर या व्यापार हर क्षेत्र में खर्च में कमी आएगी। ऊर्जा संरक्षण के लिए संसाधन-प्रबंधन की सख्त जरूरत है। हमें वर्तमान ऊर्जा-संसाधनों का विस्तार करना होगा और ऊर्जा-सुरक्षा को सुनिश्चित करना होगा। इन सब उपायों से आयातित ऊर्जा पर हमारी निर्भरता घट सकेगी। वस्तुतः ऊर्जा-संरक्षण का लक्ष्य अपने व्यवहार-बर्ताव में बदलाव तथा विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी के विकास द्वारा पाया जा सकता है। उदाहरण के लिए घर में बिजली का उपयोग अपनी आवश्यकता के अनुसार किया जाना चाहिए। कमरे से बाहर जाते समय ध्यान से स्विच ऑफ कर देने की आदत बिजली बिल में बड़ी बचत ला सकता है। प्राकृतिक प्रकाश का अधिकाधिक उपयोग करना भी प्रभावी उपाय है। ऊर्जा की किफायत वाले एलएडी बल्ब लगाने से लगभग 75 प्रतिशत ऊर्जा की बचत होती है। इसी तरह विभिन्न उपकरणों के उपयोग के तरीकों को भी सुधारना होगा। जब उपकरण को उपयोग में न ला रहे हों तो अनपलग कर देना, स्वचालित ऑफ होने की व्यवस्था रखना बहुत लाभकर होता है। हीटिंग और कूलिंग के लिए प्रोग्राम वाली थर्मोस्टेट की व्यवस्था महत्वपूर्ण होती है। आज यातायात में भी ऊर्जा की बड़ी खपत होती है। इसलिए कोशिश की जानी चाहिए कि कम से कम ड्राइव करें। इसकी जगह पैदल चलना, साइकिल का

एक और गंभीर समस्या है क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 2010 का कमजोर क्रियान्वयन। जिन राज्यों में यह लागू भी है, वहाँ भी निमनन और पारदर्शिता कमजोर हैं। मरीजों से मामाना शुल्क, अनावश्यक जाँच की सलाह, महंगे पैकेज और अत्यधिक दरों पर सर्जरी जैसी शिकायतें आम हैं। यह स्थिति तब और जटिल हो जाती है जम गरीज की ओर से शिकायत या न्याय पाने की व्यवस्था कमजोर और अप्रभावी हो।

इसके साथ ही, भारत में आउट-ऑफ-पैकिट एक्सपेंडिचर अभी भी कुल स्वास्थ्य व्यय का 40% के आसपास है। यानी मरीजों को अपनी जेब से भारी राशि खर्च करनी पड़ती है। आयुष्मान भारत जैसी सरकारी बीमा योजनाओं का उद्देश्य भले आर्थिक सुरक्षा देना हो, पर इनके दायरे में आने वाली प्रक्रियाएँ सीमित हैं और निजी अस्पतालों द्वारा इनका उपयोग कई बार मनमाने ढंग से किया जाता है। बीमा आधारित मॉडल ने स्वास्थ्य खर्च की समस्या को हल नहीं किया है बल्कि कई बार यह निजी क्षेत्र के लिए नया ग्राहक-स्रोत बन गया है।

स्वास्थ्य अधिकार को न्याधिक रूप से लागू करना तभी संभव है जब स्वास्थ्य क्षेत्र का ढांचा मजबूत हो। इसके लिए सबसे पहले जरूरी है कि सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को बढ़ाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वास्थ्य पर जीडीपी का कम-से-कम 5% खर्च होना चाहिए; जबकि भारत अभी

उपयोग, परिवहन के जन-माध्यम (जैसे- बस, ट्रेन, मेट्रो आदि) का उपयोग बड़ी कारगार पहल हो सकती है। निजी वाहनों का कम से कम उपयोग किया जाना चाहिए। इससे सड़कों पर वाहनों की अतिरिक्त भीड़ जिससे जाम लगता है और प्रदूषण होता है घटेगी। वाहन को अनावश्यक तेज या कम गति से नहीं चलाना चाहिए। इसी दृष्टि से हाईब्रिड, बिजली का वाहन या वह जो कम ईंधन की खपत करता हो आ रहे हैं और लोकप्रिय भी हो रहे रहे हैं।

व्यापार-व्यवसाय का नियमित ऊर्जा आडिट किया जाना चाहिए ताकि ऊर्जा के दुरुपयोग का ठीक से पता चल सके और ऊर्जा-सक्षम उपकरणों का उपयोग सुझाया जा सके। उपकरणों को अपग्रेड करना तथा ऐसी प्रणाली लागू करना जो अपशिष्ट औद्योगिक ऊर्जा का उपयोग कर सके लाभकर सिद्ध होगा। आज जान बूझकर ऊर्जा का कम-से-कम उपयोग करने को प्रोत्साहित करने की जरूरत है ताकि खर्च में कमी हो, अपशिष्ट कम पैदा हो, पर्यावरण को रक्षा हो और भविष्य के लिए ऊर्जा-सुरक्षा भी हो सके। कम-से-कम ऊर्जा सेवाओं का लाभ लेना और ऊर्जा का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए हरित अभियान्रिकी के तौर-तरीके अपनाने होंगे। ऊर्जा का उत्पादन और उपयोग एक बहुआयामी प्रश्न है जिसके साथ राजनैतिक मुद्दे, तकनीकी विकास, आर्थिक प्रगति, पर्यावरण के सुरोकार महत्वपूर्ण रूप से जुड़े हुए हैं। साथ ही उपभोक्ता व्यवहार जटिल होता है और व्यक्तिव, आरामदायक जीवन शैली की पसंद, ऊर्जा-सुरक्षा की चेतना, पर्यावरण के प्रति मैत्री आदि पर निर्भर करते हैं। ऊर्जाकम प्रणालियों को अपनाने और विवेकपूर्ण ऊर्जा का उपयोग द्वारा ही ऊर्जा संरक्षण संभव है। उपभोक्ता व्यवहार को बदल कर ही दीर्घकालिक और स्थायी समाधान मिल सकेगा। विवाह समारोह, संगीत, रंग, नृत्य और अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम बताते हैं कि हमारी बिगड़ी आदतें ऊर्जा की माँग को बढ़ाती जा रही हैं। अनावश्यक ऊर्जा उपयोग किसी के हित में नहीं है। ऊर्जा की समस्या सार्वभौमिक है और जैसा स्टॉकहोम घोषणा में कहा गया था पृथ्वी एक है, इस बात को साबित कर रही है। ऊर्जा के मुद्दे आधुनिक समाज में ऊर्जा के वितरण, उपलब्धता और आपूर्ति के साथ उसके टिकाऊपन और स्वच्छ यानी प्रदूषणमुक्त ऊर्जा स्रोत की तलाश तकनीकी उन्नति के साथ ही हमारे संस्कार और व्यवहार पर भी निर्भर करेगा।

(लेखक, महामत्सा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

2% से भी कम खर्च करता है। प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किए बिना, विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सों और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की संख्या बढ़ाए बिना, दवाओं और जांचों को सस्ता किए बिना और स्वास्थ्य संस्थानों में जवाबदेही मजबूत किए बिना, इस अधिकार को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने की कोशिशें बेमानी होंगी।

दवाओं की ऊँची कीमतें और दवा कंपनियों का प्रभाव, इसमें कोढ़ में खाज जैसी स्थिति पैदा करता है। लगभग 80% दवाएँ अभी भी मूल्य नियंत्रण से बाहर हैं। जब तक आवश्यक दवाओं पर सख्त मूल्य नियंत्रण नहीं होगा तथा जन औषधि प्रणाली का विस्तार नहीं होगा, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार महंगी दवाओं के भार तले दबते रहेंगे। साथ ही, स्वास्थ्य कर्मियों की स्थितियाँ भी इस संकट का एक महत्वपूर्ण पक्ष हैं। अस्थायी नियुक्तियाँ, कम वेतन, कार्यभार का दबाव- ये सभी कारक चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा तभी संभव है जब सरकार मानव संसाधन में उचित निवेश करे।

स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार लंबी अवधि का कार्य है; परंतु इसकी शुरुआत तत्काल बजट बढ़ाने, निजी अस्पतालों को सख्त नियामक दायरे में लाने, दवाओं की कीमतें नियंत्रित करने तथा प्राथमिक स्वास्थ्य ढाँचे को मजबूत करने से हो सकती है। यह मजबूत स्वस्थ ढांचा की नींव रखेगा।

बाबरी मस्जिद के नम पर मिलते करोड़ों के चंदे का नैरेटिव



डॉ मरुंग चतुर्वेदी

सड़क या सार्वजनिक स्थानों में नमाज, मंदिरों और धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति, हलाल भोजन की मांग, शादी और पारिवारिक मामलों में धार्मिक दबाव, शरिया आधारित विवाद निपटान की मांग- ये सभी अहिंसक जिहाद के स्वरूप हैं।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबर के नाम पर बन रही मस्जिद के लिए अब तक 2.4 करोड़ रुपए जुटाए जा चुके हैं। यह रकम केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं बल्कि देश-विदेश से भी आ रही है। यह तथ्य केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी गंभीर सवाल खड़े करता है। बाबरी मस्जिद का मामला हमेशा संवेदनशील रहा है। अब उसी नाम और प्रतीक के माध्यम से फिर से व्यापक समर्थन जुटया जा रहा है, यह संकेत देता है कि राजनीतिक इस्लाम अपने उद्देश्य में लगातार सक्रिय है। जिहाद, राजनीतिक इस्लाम की नींव है। यह सिद्धांत दुनिया को दो हिस्सों में बांटता है- मुस्लिम और गैर-मुस्लिम। इसी आधार पर दारुल-इस्लाम और दारुल-हरब की अवधारणाएँ बनीं, जहाँ मुस्लिमों और गैर-मुस्लिमों के लिए अलग शासन और नियम तय होते हैं। वहीं दोहरी नैतिकता राजनीतिक इस्लाम की पहचान है। कुरान, हदीस और सीरा- तीनों में इस दोहरी नैतिकता की बार-बार पुष्टि होती है। मुहम्मद ने कहा था कि सारी दुनिया केवल मुसलमानों के लिए है; तुम सुरक्षित रहोगे, अगर इस्लाम स्वीकार कर लो (सहीह बुखारी, 4:53:392)। इसका मतलब यह नहीं कि केवल आस्था का प्रश्न है बल्कि यह राजनीतिक और वैचारिक नियंत्रण का संदेश है। गैर-मुस्लिम समुदाय की परंपराओं को शिर्क और बुतपरस्ती के रूप



में देखा गया और उसे समाप्त करने के लिए जिहाद को आवश्यक बताया गया। जिहाद केवल हिंसा का नाम नहीं है। यह संघर्ष का व्यापक स्वरूप है। इसका उद्देश्य केवल हथियार उठाना नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी ढांचे पर धीरे-धीरे नियंत्रण स्थापित करना भी है। उदाहरण के तौर पर- सड़क या सार्वजनिक स्थानों में नमाज, मंदिरों और धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति, हलाल भोजन की मांग, शादी और पारिवारिक मामलों में धार्मिक दबाव, शरिया आधारित

विवाद निपटान की मांग- ये सभी अहिंसक जिहाद के स्वरूप हैं। हिंसक और अहिंसक, सीधे और छल-कपट के माध्यम से जिहाद चलता रहता है। सहीह बुखारी और कुरान के आंकड़े बताते हैं कि जिहाद का अधिकांश उल्लेख हथियारबंद संघर्ष से जुड़ा है। कुरान का नौवां अध्याय (अल-बारा) और आयतें 9:5, 9:29, 9:41, 9:73, 9:123- सभी स्पष्ट रूप से युद्ध के निर्देश देती हैं। यहाँ स्पष्ट रूप से दिखता है कि राजनीतिक इस्लाम का लक्ष्य केवल

धर्मांतरण नहीं, बल्कि नियंत्रण और सत्ता स्थापित करना है। इतिहास भी इस तथ्य की पुष्टि करता है। सिंध पर मुहम्मद बिन कासिम के आक्रमण से लेकर दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य तक, भारत में जिहाद लगातार दिखाई देता है। बीसवीं सदी में मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन और विभाजन की राजनीति में भी यही प्रवृत्ति रही। हिंसा, धमकी और दबाव- सभी जिहाद के औजार रहे हैं। आज भारत में राजनीतिक इस्लाम केवल हिंसा या आतंकी गतिविधियों तक सीमित नहीं

है। यह न्यायालयों पर दबाव, सार्वजनिक प्रदर्शन, धार्मिक मार्गों, हलाल और शरीयत आधारित कानूनों की मांग, राष्ट्रीय प्रतीकों की अवमानना, शिक्षा और सामाजिक व्यवहार पर प्रभाव- सभी के माध्यम से भी सक्रिय है। यह एक दीर्घकालिक और सतत प्रक्रिया है जिसे केवल धार्मिक आस्था कहकर हल्के में नहीं लिया जा सकता। इतिहास और ग्रंथ-साक्ष्य से स्पष्ट है कि जिहाद की सफलता तीन स्तंभों पर आधारित रही- दोहरी नैतिकता, समर्पण की मांग और हिंसा या दबाव का निरंतर प्रयोग। मुहम्मद के समय व्यापारी कारवां पर हमले और लूटे गए माल का वितरण, अनुयायियों की संख्या बढ़ाने के लिए रणनीतिक उपाय थे। यह प्रक्रिया समय के साथ विकसित हुई और राजनीतिक इस्लाम की सफलता का आधार बनी। वर्तमान में भारत में इस मुद्दे पर अकादमिक और सार्वजनिक विमर्श की कमी है। पाठ्यक्रमों में इस्लामी आक्रमणों, जनसंख्या परिवर्तन और सांस्कृतिक ध्वंस का कोई विस्तृत उल्लेख नहीं होता। इसका परिणाम यह है कि समाज असावधान रहता है और राजनीतिक इस्लाम की प्रक्रिया को समझने में असमर्थ हो जाता है। हिंसा, धमकी और दबाव- सभी जिहाद के औजार रहे हैं। आज भारत में राजनीतिक इस्लाम केवल हिंसा या आतंकी गतिविधियों तक सीमित नहीं

गलत व्याख्या या अत्यधिक प्रचार के बहाने इतिहास और सिद्धांत की वास्तविकताओं से आंखें मोड़ने जैसा है। भारत के संदर्भ में जिहाद केवल धार्मिक गतिविधि नहीं बल्कि व्यापक राजनीतिक और सामाजिक प्रक्रिया का हिस्सा है। बाबरी मस्जिद के नाम पर करोड़ों का चंद, चाहे स्थानीय हो या अंतरराष्ट्रीय, इसका प्रतीक है। यह दर्शाता है कि धार्मिक प्रतीकों के माध्यम से राजनीतिक संदेश फैलाने की प्रक्रिया अब भी सक्रिय है। समाधान केवल सुरक्षा या कानूनी उपायों में नहीं है। समाज और नीति-निर्माताओं को राजनीतिक इस्लाम, जिहाद के सिद्धांत, इतिहास और आधुनिक प्रक्रियाओं को समझना होगा। शिक्षण संस्थाओं में इतिहास और समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम में इनका समावेश आवश्यक है। वास्तविकता को समझे बिना सुरक्षा और सामाजिक सामंजस्य बनाए रखना मुश्किल होगा। अंततः राजनीतिक इस्लाम और जिहाद को हल्के में लेना भारत के सामाजिक-राजनीतिक ताने-बाने के लिए खतरनाक हो सकता है। यह केवल धार्मिक भावनाओं का प्रश्न नहीं है बल्कि वैचारिक, राजनीतिक और वैश्विक रणनीति का हिस्सा है। इसलिए, अध्ययन, जागरूकता और सार्वजनिक विमर्श ही इस चुनौती का स्थायी समाधान हो सकता है।

डफी के पांच विकेट से वेस्टइंडीज धराशायी, न्यूजीलैंड ने दर्ज की डब्ल्यूटीसी चक्र की अपनी पहली जीत

वेलिंगटन: वेलिंगटन टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराकर 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। तेज गेंदबाज जैकब डफी ने दूसरी पारी में घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए, जिसके चलते वेस्टइंडीज मात्र 128 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड को मिले 56 रनों के लक्ष्य को टीम ने चाय से पहले ही हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। वेस्टइंडीज इस चक्र में सात में से छह मैच हार चुकी है और अब भी जीत से दूर है।

तीसरे दिन शुक्रवार की सुबह ब्रैंडन किंग (22) के रन-आउट से शुरू हुए विकेट पतन ने जल्द ही वेस्टइंडीज टीम को बैकफुट पर ला दिया। शाई होप उसी ओवर में आसान कैच दे बैठे, जबकि कप्तान रोस्टन चेज भी डफी की उछाल लेती गेंद का शिकार बने। क्रेम होज (35) और जस्टिन ग्रीव्स (25) ने थोड़ी कोशिश जरूर की, लेकिन 31वें ओवर में हॉज का



पुल शॉट सबस्टिट्यूट विल यंग ने बेहतरीन कैच में बदल दिया। 88/6 के बाद जीत की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी। डफी और रे ने मिलकर बाकी काम निपटा दिया। डफी ने 5-38 के आंकड़े के साथ पहली पारी में 205 रन ही बना सकी थी। मैच के बाद न्यूजीलैंड कप्तान टॉम लैथम ने कहा, दूसरी

जल्दी आउट हुए, लेकिन डेवोन कॉनवे (28*) और केन विलियमसन (16*) ने टीम को 10 ओवर में ही जीत दिला दी। पहली पारी में न्यूजीलैंड ने 278/9 पर पारी घोषित की थी। वेस्टइंडीज पहली पारी में 205 रन ही बना सकी थी। मैच के बाद न्यूजीलैंड कप्तान टॉम लैथम ने कहा, दूसरी

पारी में गेंदबाजी बेहतर होती गई। डफी की परफॉर्मेंस शानदार रही। वेस्टइंडीज कप्तान रोस्टन चेज बोले, पिच बल्लेबाजी के लिए आसान थी, लेकिन हम फायदा नहीं उठा सके। दोनों टीमों के बीच तीसरा टेस्ट 18 दिसंबर से माउंट माउंगानुई में शुरू होगा।

संक्षिप्त रकोर

पुणे वैंड टूर 2026: भारत की पहली यूसीआई 2.2 रेस ने आकर्षित किए चार महाद्वीप

पुणे: भारत पहली बार यूनियन साइक्लिस्ते इंटरनेशनल (यूसीआई) 2.2 श्रेणी की बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 (कॉन्टिनेंटल टीम्स मेन्स एलीट रोड साइक्लिंग रेस) की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। यह आयोजन न केवल भारतीय खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रहा है, बल्कि भारत को वैश्विक साइक्लिंग मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दिलाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगा। 19 से 23 जनवरी तक होने वाली यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग सीजन की औपचारिक शुरुआत करेगी।

पहले ही संस्करण में चार महाद्वीपों से 28 अंतरराष्ट्रीय टीमों ने भागीदारी में रूचि दिखाई है, जिनमें यूरोप, एशिया, ओशिनिया और अमेरिका के शीर्ष साइक्लिंग

राष्ट्र शामिल हैं। भारत हवाईडया एह्ल और हवाईडया बीह्ल नाम से दो राष्ट्रीय टीमों को मैदान में उतारेगा, जबकि कुल 4 राष्ट्रीय टीमों और 24 कॉन्टिनेंटल टीमों की उपस्थिति इस आयोजन को विश्वस्तरीय बनाएगी।

इस ऐतिहासिक पहल का श्रेय पुणे जिला प्रशासन को जाता है, जिसे महाराष्ट्र सरकार से निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है। चार चरणों की यह बहु-दिवसीय रेस कुल 437 किमी की दूरी तय करेगी, जो पुणे की आधुनिक शहरी संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और सहाद्री की प्राकृतिक भव्यता का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करेगी। इस आयोजन का उद्देश्य साइक्लिंग को बढ़ावा देने के साथ-साथ पुणे के पर्यटन, पर्यावरणीय जागरूकता और बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ करना है।

विनेश फोगाट ने वापस लिया संन्यास का फैसला, अब करेंगी 2028 ओलंपिक की तैयारी

नई दिल्ली: भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास से बाहर आने का बड़ा फैसला किया है। 2024 पेरिस ओलंपिक में फाइनल मुकाबले से पहले वजन सीमा से 100 ग्राम अधिक होने के कारण डिस्कवाॅलिफाई होने के बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन अब वह दोबारा लौट रही हैं और 2028 लॉस एंजेलिस (एलए) ओलंपिक में हिस्सा लेंगी।

पेरिस ओलंपिक में विनेश का स्वर्ण पदक मुकाबले से ठीक पहले सुबह के वजन परीक्षण में 100 ग्राम अधिक वजन पाया गया था, जिसके चलते उन्हें अनौपचारिक से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने इस फैसले को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में चुनौती भी



दी, लेकिन नतीजा नहीं बदला। इसके ठीक बाद 8 अगस्त 2024 को उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। करीब एक साल बाद विनेश ने शुक्रवार को फिर से मैट पर लौटने का फैसला लिया।

इंस्टाग्राम पर उन्होंने लिखा, लोग पृछते रहे कि क्या

पेरिस मेरी आखिरी लड़ाई थी। लंबे समय तक मेरे पास इसका जवाब नहीं था। मुझे मैट से, दबाव से, उम्मीदों से और अपनी महत्वाकांक्षाओं से थोड़ी दूरी चाहिए थी। कई सालों बाद मैंने खुद को आराम करने दिया। उन्होंने आगे लिखा, मैंने अपनी यात्रा के भार को

एजीएम में 15 स्ट्रेट गोलफ

एसोसिएशन ने हिस्सा लिया

नई दिल्ली: भारतीय गोलफ संघ (आईजीयू) का बड़ा एजेंडा भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में गोलफ को बढ़ावा देना और उसका विकास करना है। यह घोषणा आईजीयू के अध्यक्ष बृजिंदर सिंह ने नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन की 65वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद यहां इंडिया हबिटेट सेंटर में की। एजीएम में 15 जुड़े हुए स्ट्रेट गोलफ एसोसिएशनइ असम, चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, महाराष्ट्र, मेघालय, मणिपुर, ओडिशा, पंजाब, त्रिपुरा, राजस्थान, मिजोरम, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश ने भागीदारी की। मॉर्टिन का एजेंडा गर्वनिंग काउंसिल की एनुअल रिपोर्ट को अपनाने, पिछली एजीएम के मिनट्स को कन्फर्म करने, फाईनैशियल ईयर 2024-25 के ऑडिटेड स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट्स को मंजूरी देने, ऑडिटर की नियुक्ति करने और उनकी सैलरी तय करने के साथ-साथ चेयर की अनुमति से किसी भी अन्य प्रासंगिक विषय पर चर्चा करने पर केंद्रित था। बृजिंदर सिंह ने कहा, हमारी एजीएम बहुत अच्छी रही। हमारे पास नॉर्थ-ईस्ट से हमारे डेलीगेट्स आए थे, जो पहले गैर-मौजूद थे और लंबे समय से मेनस्ट्रीम गोलफ का हिस्सा नहीं थे।

रांची, शनिवार, 13 दिसंबर, 2025

संक्षिप्त खबरें

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025: नितिश रेड़ी ने मध्यप्रदेश के खिलाफ ली हैट्रिक

पुणे: आंध्र के ऑलराउंडर नितिश कुमार रेड्डी ने शुक्रवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच में मध्य प्रदेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक ली। नितिश ने एमपी की पारी के तीसरे ओवर की अंतिम तीन गेंदों पर हर्ष गवली, हरप्रीत भाटिया और रजत पाटीदार के विकेट चटकाए। उन्होंने सबसे पहले गवली को बोल्ड किया, फिर भाटिया को कैच आउट कराया और तीसरी गेंद पर पाटीदार का स्टंप उखाड़ कर उन्हें चलात किया। उनकी इस घातक गेंदबाजी से मध्य प्रदेश की टीम 113 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 14 रन पर 3 विकेट खो दिर।

अंडर-19 एशिया कप में वैभव सूर्यवंशी का तूफानी शतक, भारत ने यूएई के खिलाफ बनाए 433 रन

दुबई: पुरुष अंडर-19 एशिया कप 2025 की शुरुआत भारतीय टीम के तूफानी प्रदर्शन के साथ हुई, जहां मात्र 14 साल के औपनर वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए 95 गेंदों पर 171 रन ठोक दिए। उनके इस विस्फोटक शतक की बदौलत भारत ने शुक्रवार को आईसीसी एकेडमी ग्राउंड में खेले गए ग्रुप-ए मुकाबले में यूएई के खिलाफ 50 ओवर में 6 विकेट पर 433 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। यूएई के कप्तान याथिन राई ने भारत को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया था। हालांकि, भारत की शुरुआत खराब रही और कप्तान आयुष म्हात्रे सिर्फ 4 रन बनाकर तीसरे ओवर में आउट हो गए। इसके बाद सूर्यवंशी को एरॉन जॉर्ज का साथ मिला और दोनों ने मिलकर यूएई गेंदबाजों की जमकर खबर ली। शुरुआती संभलकर खेलने के बाद सूर्यवंशी ने गिगर बदला और आक्रामक मोड़ में जाते हुए मात्र 30 गेंदों में अपना

अर्धशतक पुरा किया। उन्होंने पारी के दौरान 9 चौके और 14 छक्के जड़ते हुए यूएई के गेंदबाजों पर कहर बरपाया। सूर्यवंशी ने अंडर-19 एशिया कप में एक पारी में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। यह रिकॉर्ड इससे पहले अफगानिस्तान के दरविश रसूली (10 छक्के, 2017) के नाम था। सूर्यवंशी ने 56 गेंदों में शतक, 84 गेंदों में 150 रन पूरे किए और अंत में 95 गेंदों में 171 रन बनाकर रन आउट हुए। यह पारी युवा वनडे क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। पहला रिकॉर्ड 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ अंबाती रायुडू (177) के नाम है। भारत की पारी में एरॉन जॉर्ज (69), विहान मल्होत्रा (69), वेदांत त्रिवेदी (38), अभियज्ञान कुंडु (32) और कनिष्क चौहान (28) ने भी अहम योगदान दिया। भारत ने यूएई को जीत के लिए 434 रन का विशाल लक्ष्य दिया है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली: ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती का रुख नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए थे। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,901 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डैक ने 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के

साथ 23,591.84 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 48,823.71 अंक के स्तर पर कारोबार करता

हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 9,703.16 अंक के स्तर पर बंद

हुआ। इसी तरह सीएसपी इंडेक्स ने 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,085.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डोएक्स इंडेक्स 164.47 अंक यानी 0.68

प्रतिशत उछल कर 24,294.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में इकोनोमा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,871.78 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 100 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 26,126 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 28,124.94 अंक के स्तर पर

पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने आज बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 361.49 अंक यानी 1.40 प्रतिशत उछल कर 25,892 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,575.90 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 383.18 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की तेजी के साथ 50,5240 अंक के स्तर पर, कोम्पो इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,138.50 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,653.01 के स्तर पर और सेंट कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत उछल कर 1,256.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

नए शिखर पर पहुंची चांदी

नई दिल्ली: घरेलू सराफा बाजार में चांदी के भाव में तेजी का रुख जारी है। पिछले दो दिनों में ही इस चमकीली धातु की कीमत में 9,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की उछाल दर्ज की गई है, जिसकी वजह से इस चमकीली धातु के भाव नए शिखर पर पहुंच गए हैं। आज की इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सराफा बाजारों में चांदी 2,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,09,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत फिसल कर 2,01,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 2,00,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,01,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,01,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,01,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 2,09,100 रुपये के स्तर पर पहुंची हुई है। कैपेक्स गोल्ड एंड इनवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि चांदी के भाव में अभी और भी मजबूती आने की संभावना बनी हुई है।

खुदरा महंगाई दर नवंबर में बढ़कर 0.71% हुई, सबज़ियों और ईंधन के दामों में उछाल

मुंबई: सरकारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में रिटेल मुद्रास्फीति (सीपीआई आधारित) 0.71% दर्ज की गई, जो मुख्य रूप से सब्जियों, प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों और ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी हुई। पिछले महीने अक्टूबर में रिटेल मुद्रास्फीति रिकॉर्ड निचले स्तर 0.25% पर थी। अक्टूबर में महंगाई में कमी का मुख्य कारण GST दरों में कटौती और अनुकूल आधार प्रभाव बताया गया था।

खाद्य वस्तुओं में मूल्यवृद्धि कम हुआ : शुक्रवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में खाद्य पदार्थों में मूल्यवृद्धि 3.91% रहा, जबकि अक्टूबर में यह 5.02% था। एनएसओ ने बताया कि नवंबर में मुख्य मुद्रास्फीति में वृद्धि का कारण सब्जियां, ईंधन, मांस और मछली, मसाले, अंडे और प्रकाश खर्चों की कीमतों में बढ़ोतरी रही। विशेष रूप से ईंधन और प्रकाश मुद्रास्फीति नवंबर में 2.32% रही, जो अक्टूबर के 1.98% से अधिक है।

RBI का दृष्टिकोण और अर्थव्यवस्था की स्थिति : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में चालू वित्तीय वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान घटाकर 2% कर दिया, जो पहले 2.6% था। RBI ने कहा कि अर्थव्यवस्था में तेजी से डिस्इन्फ्लेशन देखा जा रहा है। साथ ही, RBI ने नीतिगत ब्याज दर 25 बेसिस प्वाइंट घटाकर 5.25% कर दी है और भारतीय अर्थव्यवस्था को एक दुर्लभ गोल्डलीलाक्स अवधि बताया, यानी उच्च वृद्धि के साथ कम मुद्रास्फीति का संतुलन। रिजर्व बैंक ने ऋ26 के लिए GDP वृद्धि अनुमान 7.3% कर दिया, जो पहले 6.8%

था। भारत ने सितंबर तिमाही में 8% और जून तिमाही में 7.8% की विकास दर दर्ज की।

क्या होता है CPI

सीपीआई यानी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स, समय के साथ उन चीजों और सर्विसेज की कीमतों के सामान्य स्तर में होने वाले बदलावों को मापता है जिन्हें घर इस्तेमाल के लिए खरीदेते हैं। सीपीआई का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर महंगाई के मैक्रोइकोनॉमिक इंडिकेटर के तौर पर, सरकारों और सेंट्रल बैंकों द्वारा महंगाई को ट्रैक करने और कीमतों की स्थिरता पर नजर रखने के लिए एक टूल के तौर पर, और नेशनल अकाउंट्स में डिफ्लेटर के तौर पर किया जाता है।

इंश्योरेंस सेक्टर में बड़ा सुधार! बीमा कंपनियों में 100% एफडीआई प्रस्ताव को मंजूरी

मुंबई : लंबे समय से चर्चा में रहे बीमा क्षेत्र सुधारों की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने बीमा कंपनियों में विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा 74% से बढ़ाकर 100% करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। J१२३४५६७८३ की खबर के मुताबिक, यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 12 दिसंबर को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। सरकार का कहना है कि एफडीआई सीमा बढ़ने से बीमा क्षेत्र में अधिक विदेशी पूंजी आएगी, जिसके परिणामस्वरूप उद्योग की वित्तीय मजबूती बढ़ेगी, प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होगी और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। यह प्रस्तावित बिल मौजूदा शीतकालीन सत्र (19 दिसंबर तक) में संसद में पेश किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, बढ़ी हुई एफडीआई सीमा से बीमा कंपनियों को सॉल्वेंसी रेशियो सुधारने, बैलेंस शीट मजबूत करने, कवरेज बढ़ाने में बड़ी मदद मिलेगी। भारत जैसे कम बीमा पेट वाले बाजार में यह कदम इ노वेशन और व्यापक सुधारों को गति देगा।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने एक दिन में कमाए 3.61 लाख करोड़

नई दिल्ली: घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट का रुख भी बन गया। दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे शेयर बाजार की चाल में दोबारा तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए।

जानकारों का कहना है कि ग्लोबल बाजारों के मजबूत संकेतों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत से मार्केट में आज पांजिटिव सेंटीमेंट बन गए। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने से भी मार्केट सेंटीमेंट्स को पांजिटिव सपोर्ट

मिला?। भारतीय बाजार के लिहाज से देखें, तो इंडिया चोलेटिलिटी इंडेक्स (वीआईएक्स) आज 2.5 प्रतिशत तक गिर गया।

आज के कारोबार के दौरान मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही, जिसकी वजह से निफ्टी के मेटल इंडेक्स ने 2.63 प्रतिशत की छलांग लगाई। इसके अलावा निफ्टी का रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और बैंकिंग इंडेक्स में भी 1 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई क मिडकैप इंडेक्स 1.14 प्रतिशत की

तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.61 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,356 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,593 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,593 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 170 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,825 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,878 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 947 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 232.90 अंक की मजबूती के साथ 85,051.03 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 85,282.76 अंक के स्तर तक पहुंच गया।।

■ ■ ■ ■

■ ■ ■ ■

■ ■ ■ ■

■ ■ ■ ■

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ भव्य एजुकेशनल मेला

करियर जागरूकता का आधार बना शिक्षा मेला, छात्रों को सही स्ट्रीम चयन की मिली प्रेरणा: डॉ नीरा यादव

नवप्रदेश (मुकेश गोस्वामी) कोडरमा। जिले के प्रतिष्ठित विद्यालय मॉडर्न पब्लिक स्कूल में जिले के विद्यार्थियों को भविष्य में मार्गदर्शन हेतु भव्य एजुकेशन मेला का आयोजित किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में कोडरमा जिले की विधायिका श्रीमती डॉ. नीरज यादव उपस्थित होकर इस मेले का उद्घाटन की। इनके अलावा इस मेले में जी. आर.जी.आई. हरियाणा के चेयरमैन एष के जindल, कोडरमा जिला खेल अधिकारी तुषार राय भी मौके पर उपस्थित थे। इस मेले का उद्घाटन इस प्रकार हुआ सर्वप्रथम कोडरमा जिले की विधायिका डॉ. नीरा यादव सह मॉडर्न विद्यालय के निदेशिका संगीता शर्मा एवं प्राचार्य गुरु चरण वर्मा को विद्यालय बैड ग्रुप के द्वारा



स्काउट कर विद्यालय गेट से विद्यालय मैदान तक लाया गया। वहां विधायिका द्वारा फीता काटकर मेले का उद्घाटन कार्यक्रम किया गया। एजुकेशनल मेले में पूरे देश भर के लगभग 25 महाविद्यालय एवं संस्थानो ने अपनी उपस्थिति दिखाकर छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए उनका परामर्श भी किए। इस मेले में लगभग 1500 छात्र विभिन्न

विद्यालय से शामिल हुए। मेले में शामिल होने वाले विश्वविद्यालय हैं ग्लोबल रिसर्च ऑफ इंस्टिट्यूशन यमुनानगर हरियाणा, एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कोलकाता, जैन यूनिवर्सिटी बैंगलोर, आईआईएलएम यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, मारवाड़ी यूनिवर्सिटी राजकोट गुजरात,

कलिंगा यूनिवर्सिटी रायपुर, ईस्ट प्वाइंट ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन बैंगलोर, इन विश्वविद्यालय के अलावा भी कई और विश्वविद्यालय शामिल थे। छात्रों के लिए यह मेला निश्चय ही बहुत ही लाभकारी सिद्ध हुआ। छात्रों ने घूम घूम कर सभी विश्वविद्यालय के स्टाल में जाकर 12वीं के बाद की पढ़ाई एवं अपने कौशल के अनुरूप कौन से विषय क्षेत्र में आगे की पढ़ाई कर अपना भविष्य निर्धारित कर सकते हैं और रोजगार को प्राप्त कर सकते हैं, इन सब के बारे में बातचीत की।। छात्रों ने अपने मन में उठे सभी सवालों को पृष्ठ कर अपनी दुविधा दूर की। जिले में आयोजित एजुकेशनल मेले के बारे में मुख्य अतिथि नीरा यादव ने कहा कि इस प्रकार के एजुकेशन मेले का आयोजन छात्रों के लिए बराबर होना चाहिए ताकि छात्र हमेशा अपने करियर के प्रति सही निर्णय ले सके। उनकी क्षमताओं और कौशल के अनुरूप जो स्ट्रीम सही है उन्हें चुनकर ही वह आगे बढ़ाने

की कोशिश कर सकते हैं। इससे छात्रों को मार्गदर्शन के पर्याप्त अवसर प्राप्त होते हैं। और खतरनाक जिला इस बात से कभी झुकता नहीं है वह जिले के हर विद्यार्थियों के सफल भविष्य के लिए निरंतर इस प्रकार के मेले का आयोजन करता रहता है और आने वाले भविष्य में भी करता रहेगा। मॉडर्न विद्यालय के प्राचार्य श्री गुरुचरण वर्मा ने भी कहा कि छात्र उच्च शिक्षा से संबंधित मन में उठे सभी सवाल का संतुष्ट जवाब पाकर काफी खुश थे। सही दिशा पर अपने आप को ले जाने में सक्षम होंगे। विद्यालय की निदेशिका संगीता शर्मा ने इस एजुकेशनल फेयर के आयोजन को छात्रों के लिए उचित बताते हुए इस मेले की काफी सराहना की और कहा कि आने वाले समय में मॉडर्न पब्लिक स्कूल के द्वारा छात्रों के लिए और नई नई चीजें लाई जाएंगी जिससे छात्रों को लाभ मिल सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरे विद्यालय परिवार की भूमिका सराहनीय रही।

देश की रक्षा में शहीद हुआ कोडरमा का लाल, सुजीत कुमार सिंह, नम हुई हजारों आंखें अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

नव प्रदेश संवाददाता कोडरमा। मरकच्चो प्रखंड के देवीपुर निवासी 27 वर्षीय सीआरपीएफ जवान सुजीत कुमार सिंह ने देश की सेवा करते हुए जम्मूझ कश्मीर में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दे दिया। लंबी अवधि से आतंक प्रभावित क्षेत्र में तैनात सुजीत सिंह ने सीमा सुरक्षा व आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते हुए बुधवार रात वीरगति पाई। उनके शहीद होने की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों के साथ- साथ गांववासी भी री- रोकर बेहाल हो उठे। शुक्रवार सुबह 9 बजे जब शहीद का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव पहुंचा, तो हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, बीडीओ हुलास महतो, सीओ परमेश्वर कुशवाहा, बीस सूत्री अध्यक्ष



रिंकु सिंह, कोडरमा डीएसपी अनिल सिंह, जिला पुलिस सार्जेंट विद्या चंद शर्मा, नवलशाही थाना प्रभारी सुमन कुमार, राजद नेता डॉ. जावेद अख्तर, जेएमएम नेता दिलीप गुप्ता, स्थानीय

मुखिया बेदू साव, पूर्व मुखिया राजीव पांडेय, भाजपा नेता राज कुमार यादव, सुनील यादव, विजय यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता सहित पूरे जिले भर से लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। बरियारडीह टाटा मोटर से शुरु हुई भव्य शव यात्रा देवीपुर होते हुए मुक्तिधाम तक पहुंची। रास्ते भर भारत माता की जय और शहीद सुजीत अमर रहे के नारों से वातावरण गुंज उठा। मुक्तिधाम में कश्मीर से आए सीआरपीएफ अधिकारियों व जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने वीर साथी को अंतिम सलामी दी। इसके बाद पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। आज कोडरमा ने अपने एक सच्चे सपुत को खो दिया। एक ऐसा रक्षक, जो देश के लिए जिया और देश के लिए ही अमर हो गया।

आरपीवाई बीएड कॉलेज में छह दिवसीय खेल महोत्सव संपन्न, विजेताओं को किया गया सम्मानित



नव प्रदेश संवाददाता कोडरमा। रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में छह दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को वेलेडिक्टरी सेशन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. संजीव कुमार ने किया। खेल प्रभारी किशोर कुमार फैंक में 100 मीटर दौड़, गोला फेंक, कैरम, वॉलीबॉल, खो-खो और बैडमिंटन सहित सभी प्रतियोगिताओं के परिणाम प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार के समक्ष प्रस्तुत किए, जिसके बाद विजेताओं की घोषणा की गई। 100 मीटर रেস में छात्रा वर्ग से रूबी, निक्की, रैशनी

और छात्र वर्ग से साहब, निखिल, प्रदीप क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। गोला फेंक में सपना, रूबी, निक्की तथा सोरभ, रामदेव, निखिल विजेता रहे। बैडमिंटन में छात्रा वर्ग की अमीषा और रैशनी, छात्र वर्ग के निखिल और सोरभ ने बाजी मारी। कैरम में रूबी, रैशनी तथा तमसिल, सोरभ विजेता रहे। वॉलीबॉल में सोरभ एंड ग्रुप ने जीत दर्ज की, वहीं शिक्षक बनाम शिक्षकेत्तर बैडमिंटन में डॉ. संजीव कुमार विजेता एवं उप.विजेता शाहिद खान बने. कार्यक्रम में सभी प्राध्यापक, कर्मचारी और प्रशिक्षु मौजूद रहे।

राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा में 25 दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न, फीयरलेस फाइटर बना चैंपियन



नव प्रदेश संवाददाता कोडरमा। राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा में प्राचार्य डॉ. अयोध्या कुमार के नेतृत्व में आयोजित 25 दिवसीय इंटर-डिपार्टमेंटल क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल समापन शुक्रवार को हुआ। खेल प्रभारी संतोष कुमार के मार्गदर्शन में बने छात्र आयोजक दल, ओमप्रकाश साव, शिवम भंडारी, राजकुमार, बादल कुमार, ऋषभ कुमार, विक्रम कुमार, आयुष कुमार, दीनदयाल कुमार, विनीत कुमार सहित टीम ने 42 मैचों को यादगार बनाने में अहम भूमिका

निभाई। फाइनल मुकाबला लीजेंड.11 और फीयरलेस फाइटर के बीच खेला गया। टॉस वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. उमेश कुमार ने किया, जिन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की प्रेरणा दी। रोमांचक फाइनल में फीयरलेस फाइटर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम के कप्तान अमित कुमार यादव को सबने बधाई दी। वहीं लीजेंड. 11 के कप्तान व्याख्याता मनोज यादव ने पूरे टूर्नामेंट में अनुकरणीय नेतृत्व व शालीनता

दिखाते हुए सभी का दिल जीता। समापन समारोह में प्राचार्य डॉ. अयोध्या कुमार के सहयोगात्मक दृष्टिकोण की सराहना हुई, जिसके कारण पूरा टूर्नामेंट अनुशासन और सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संजय कुमार, हीरालाल, शाहीन अथर, रीता देवी, ललिता देवी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं। खेल प्रभारी संतोष कुमार ने सभी खिलाड़ियों, विजेता. उपविजेता टीमों और सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

धनसार में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट, आधा दर्जन महिला पुरुष घायल, एक पक्ष पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का लगाया आरोप



धनबाद। धनसार थाना क्षेत्र के हल्दी पट्टी में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट में करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। जिसमें तीन महिला और तीन पुरुष के सिर में गंभीर रूप से छोटें आई हैं। सूचना पर धनसार थाना प्रभारी मनोहर करमाली दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों पक्ष के लोगों को थाना लाया गया। बता दें कि धनसर थाना क्षेत्र के गांधीनगर हल्दी पट्टी में महतो पक्ष और यादव में जमीन विवाद चल रहा है। मामले में इससे पहले भी दोनों पक्षों में मारपीट हो चुकी है। एक महतो पक्ष के जलेश्वर महतो का कहना है कि राज राजन यादव, भगवान यादव, राजेश यादव, रमेश यादव, लक्ष्मण यादव हम लोगों की खटियाणी पुस्तक जमीन को तड़प रहे हैं विरोध करने पर मारपीट किया जाता है कई बार थाना में शिकायत भी किया गया है जमीन पर 144 निषेध भाग्य भी लागू है फिर भी वे लोग बाउंड्री दे रहे हैं पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। वहीं दूसरे पक्ष के सतेंद्र यादव का कहना है कि हम लोगों के पास जमीन की डिड और रसीद है। हम लोग अपना जमीन पर बाउंड्री कर रहे हैं वे लोग ही मारपीट के लिए आए थे। वहीं पुलिस दोनों और से कुछ लोगों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है

खिलाड़ियों को सचिव डॉ. डी.एन. मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नवादा में होने वाली तीन दिवसीय अंतर.राज्य खेल प्रतियोगिता के लिए जेवीएम की टीमें रवाना, उत्साह चरम पर



और झारखंड टीचर ट्रेनिंग कॉलेज की खेल टीमें शुक्रवार को नवादा के लिए रवाना हुईं। नवादा विधि

महाविद्यालय में आयोजित होने वाली तीन दिवसीय अंतर.राज्य खेल प्रतियोगिता में शामिल होने के

लिए खिलाड़ियों को समिति के सचिव डॉ. डी.एन. मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। इस मौके पर झारखंड कलेज ऑफ फार्मेसी के कोऑर्डिनेटर अरमान हुसैन, प्राचार्य मिथिलेश कुमार, अनिल कुमार, जेवीएम के प्राचार्य डॉ. विकास राय, प्रधान लिपिक नीरज कुमार, प्रमोद सिंह, विनोद सिंह, धर्मेन्द्र पांडे, अमित कुमार, ललन कुमार, रामबालक पांडे, झारखंड इवनिंग डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ.

एस.बी. मिश्रा, महजवी परवीन, नीलम कंडुलना, समीम खान, टीचर ट्रेनिंग कलेज के प्राचार्य डॉ. अजय यादव, सुनील यादव, अश्वनी मिश्रा, धनेश्वर महतो, दिलीप कुमार, भीमदास, राजेश तिवारी, मुकेश तिवारी सहित कई शिक्षक-कर्मचारी उपस्थित थे। खिलाड़ियों में प्रतियोगिता को लेकर खासा उत्साह देखा गया। सभी संस्थानों ने उम्मीद जताई है कि इस बार झारखंड की टीमें दमदार प्रदर्शन कर जिले का मान बढ़ाएंगी।



मरकच्चो में बाल विवाह मुक्त झारखंड अभियान तेज

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। प्रखंड में बाल विवाह मुक्त झारखंड योजना के तहत शुक्रवार को सखी वन स्टॉप सेंटर कोडरमा और जेंडर रिसोर्स सेंटर मरकच्चो द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पदाधिकारी अर्चना ज्वाला ने किया। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है। कानून के अनुसार बालिकाओं की न्यूनतम विवाह आयु 18 वर्ष और बालकों की 21 वर्ष निर्धारित है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अर्चना ज्वाला ने वन स्टॉप सेंटर द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को दी जाने वाली सहायता, सुरक्षा और परामर्श सेवाओं की विस्तृत जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम में जेंडर सीआरपी की महिला सदस्य ललिता देवी, मनोरमा कुमारी, आरती देवी, ट्यूनी देवी, निखत परवीन, रोजी खातून, डीपीसीपीआईसी, यूनिसेफ के जतिन कुमार माथुर सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। जागरूकता अभियान का उद्देश्य बाल विवाह के प्रति समाज में चेतना लाना और सुनिश्चित भविष्य का संदेश फैलाना रहा।

स्वच्छता, राजस्व संग्रह और बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर जोर

शहरी क्षेत्रों में साफ.सफाई की व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दें: उपायुक्त ऋतुराज

नव प्रदेश संवाददाता कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में नगर परिषद झुमरी तिलैया तथा



नगर पंचायत कोडरमा/डोमचांच में

संचालित विभिन्न विकासत्मक एवं

नागरिक सुविधा से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नागरिक सुविधा मद, परिवहन मद, राजस्व संग्रह, होलडिंग टैक्स, प्रोपर्टी टैक्स, वाटर टैक्स, फेवर ब्लॉक सड़क निर्माण, पार्क निर्माण, पीपीसी सड़क निर्माण, नाली निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। उपायुक्त ने तीनों नगर निकायों के प्रशासकों को निर्देश

दिया कि शहरी क्षेत्रों में साफ.सफाई की व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा कचरा प्रबंधन को प्रभावी ढंग से लागू करें। उन्होंने राजस्व संग्रह पर विशेष जोर देते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत.प्रतिशत राजस्व संग्रह सुनिश्चित किया जाए। होलडिंग टैक्स जमा नहीं करने वाले करदाताओं को नोटिस जारी करने का निर्देश भी दिया गया। उन्होंने नागरिक सुविधा मद एवं

परिवहन मद से संचालित योजनाओं में तेजी लाने तथा कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूरा करने पर बल दिया। बैठक में नगर परिषद झुमरी तिलैया के प्रशासक अंकित गुप्ता, नगर पंचायत कोडरमा/डोमचांच के प्रशासक शंभू प्रसाद कुशवाहा, नगर प्रबंधक निखिल किरण, विजेन्द्र कुमार, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

सारथी उत्थान सेवा ट्रस्ट ने घायल चालक को दी आर्थिक सहायता



नवप्रदेश/चौपारण। इटखोरी प्रखंड के खोरा निवासी चालक प्रदीप कुमार सिंह हाल ही में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वर्तमान में उनका उपचार रांची के बर्लिन हॉस्पिटल में चल रहा है। उनके बेहतर इलाज के लिए सारथी उत्थान सेवा ट्रस्ट लगातार कोशिश कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को ट्रस्ट की टीम सैकड़ों चालक भाइयों के सहयोग से एकत्रित की गई सहायता राशि लेकर बर्लिन हॉस्पिटल पहुंची और घायल प्रदीप कुमार सिंह को आर्थिक सहयोग प्रदान किया।इस दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष गौतम सिंह, सचिव राम सागर सिंह, ट्रस्टी रामदीप कुमार सिंह, फाउंडर सदस्य रणजीत सिंह, सुमंत कुमार सिंह, अंजन कुमार सिंह तथा सदस्य अनुज कुमार सिंह और सोनू सिंह मौजूद रहे। ट्रस्ट की ओर से कुल तैतालीस हजार एक सौ इक्यावन रुपये की सहायता राशि प्रदीप कुमार सिंह के परिजनों को सौंपी गई। सहयोग राशि प्रदान करते हुए अध्यक्ष गौतम सिंह ने कहा कि संकट की हर घड़ी में सारथी परिवार अपने सदस्यों के साथ मजबूती से खड़ा रहता है। चालक समुदाय एक परिवार की तरह है और किसी भी साथी को इलाज, दुर्घटना या आपदा की स्थिति में कभी अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने सभी सहयोगी चालक भाइयों का आभार व्यक्त किया, जिनके प्रयास से यह मदद संभव हो सकी।ट्रस्ट के सदस्यों ने प्रदीप कुमार सिंह के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और भविष्य में भी जरूरतमंद साथियों की सहायता जारी रखने का आश्वासन दिया।

मॉडल स्कूल के 294 बच्चे रोज जीटी

रोड पर पार करते हैं जान का खतरा ग्रामीणों ने सुरक्षा के लिए ब्रेकर लगाने की उठाई मांग



नवप्रदेश/चौपारण। केन्द्र सरकार की वित्तीय सहायता से झारखंड सरकार द्वारा संचालित अंग्रेजी माध्यम का मॉडल स्कूल, चौपारण नवंबर 2011 में शुरू हुआ था। 15 वर्ष पूरे होने को हैं, लेकिन विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान आज तक नहीं हो सका। कभी भवन के अभाव में तीन अलग-अलग जगहों पर कक्षाएं चलाना, बराकर नदी के उफान से विद्यालय में पानी घुसने की समस्या और जीटी रोड पर पार होने में बच्चों में लगातार भय पैदा कर रही है। कक्षा 6 से 12 तक कुल 294 विद्यार्थी रोज जोखिम भरे माहौल में पढ़ाई करते हैं जो मजबूर हैं। मुख्य समस्या-प्रतिदिन जीटी रोड पार करते हैं विद्यार्थी विद्यालय तक पहुंचने के लिए बच्चों को जीटी रोड (NH-19) पार करना पड़ता है। तेज रफ्तार वाहनों के बीच यह रोज का सफर उन्हें जान जोखिम में डालकर स्कूल जाना पड़ता है। पहले यहां दोनों लेन पर स्पीड ब्रेकर बनाया गया था, लेकिन समय के साथ वह पूरी तरह टूट चुका है। अब यहां कोई भी ट्रैफिक नियंत्रण व्यवस्था नहीं बची है। ग्रामीणों ने बताया कि बच्चे सड़क पार करते समय दुर्घटना की आशंका से डरे रहते हैं। कई बार वाहन उनके बिल्कुल नजदीक से गुजर जाते हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल प्रभाव से जीटी रोड पर मजबूत स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड और जेब्रा क्रॉसिंग लगाने की मांग की है। ग्रामीण देवल यादव, दिनेश यादव, बासुदेव यादव, गिरधारी रविदास, प्रकाश यादव, उमेश यादव, दीपू, रंजीत, शशिकुमार राणा, लेखो यादव, सीताराम यादव सहित कई लोगों का कहना है कि जब तक सुरक्षा उपाय नहीं किए जाते, किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने जिला प्रशासन, एमएचआई और शिक्षा विभाग को इसका संज्ञान लेकर छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

दनुआ घाटी में हथिया बाबा मंदिर के पास रिफाइन तेल से लदी पिकअप पलटी



नवप्रदेश/चौपारण। दनुआ घाटी स्थित हथिया बाबा मंदिर के पास शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। रिफाइन तेल से लदी एक पिकअप गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। बताया जाता है कि वह पिकअप बरहरी से रफीगंज की ओर जा रही थी, तभी घाटी के मोड़ पर चालक का संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी पलटते हुए सड़क किनारे जा गिरी। घटना के बाद कुछ समय तक सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर चालक और खलासी को बाहर निकाला। हालांकि दोनों को मामूली चोटें आईं, लेकिन बड़ी दुर्घटना टल गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना चौपारण थाना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और यातायात को सामान्य करवाया। गाड़ी में लदा रिफाइन तेल बिखरने से सड़क कुछ देर तक फिसलन भरी हो गई, जिसे लोगों की मदद से साफ कराया गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दनुआ घाटी में मोड़ काफी तीखा है, जहां अक्सर वाहन चालक गति नियंत्रित नहीं कर पाते, जिसके कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं। पुलिस ने वाहन को क्रेन की मदद से सीधा करवाकर सड़क किनारे हटवाया। घटना की जांच जारी है।

राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नए जिला अध्यक्ष बने मो शौकत

पूर्वी सिंहभूम। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साकची स्थित जिला कार्यालय में शुक्रवार को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नए जिला अध्यक्ष के रूप में मो शौकत हुसैन की नियुक्ति की औपचारिक घोषणा की गई। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मो जमीरुद्दीन अंसारी ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन में नई ऊर्जा और गति की उम्मीद जताई। घोषणा के बाद जिला कार्यालय में कार्यक्ताओं और पदाधिकारियों ने मो हुसैन का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष शम्भू नाथ चौधरी ने कहा कि मो शौकत हुसैन की नियुक्ति संगठन को मजबूती देगी और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी। वहीं बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जनार्दन कुमार ने भी मो शौकत हुसैन को सराहना की।

पाणिनि उत्सव का आयोजन 14 को, विधायक करेंगे उद्घाटन

पूर्वी सिंहभूम। संस्कृत व्याकरण के जनक महर्षि पाणिनि के योगदान को नए युग में पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से पाणिनि उत्सव समिति 14 दिसंबर को एक दिवसीय पाणिनि उत्सव का आयोजन करेगी। यह कार्यक्रम पीएम श्री उल्कर्मित पीपुल्स अकादमी प्लेस टू विद्यालय, न्यू बाराब्रारी स्थित कालिदास सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सख्यू राय उत्सव का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में देश के प्रमुख भाषाविद और व्याकरणपार्वं डॉ मित्रेश्वर अग्निमित्र, बालमुकुंद चौधरी, डॉ शशिभूषण मिश्र और कंप्यूटर विज्ञान और व्याकरण के विशेषज्ञ डॉ कौस्तुभ सान्याल शामिल होंगे।

अगरेइ खुर्द में 51 कुणडीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भव्य आयोजन 24 दिसंबर से

नवप्रदेश, सूर्यपुरा: प्रखंड अंतर्गत अगरेइ खुर्द में इस वर्ष धर्म व आध्यात्मिक आस्था का भव्य संगम देखने को मिलेगा। भारत के महान मनीषी संत परम पूज्य श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के शिष्य पूज्य श्री जीयर स्वामी जी महाराज, बक्सर (बिहार) की पावन सान्निध्य में 51 कुणडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ सह धर्म सम्मेलन एवं भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन 24 दिसंबर 2025 से सात जनवरी 2026 तक चलेगा, जिसमें देशझविदेश से संतझमहात्माओं, वैदिक आचार्यों और श्रद्धालुओं के बड़ी संख्या में पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम का शुभारंभ 29 दिसंबर 2025 को सुबह 10 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और भक्तजनों के शामिल होने की उम्मीद है। एक जनवरी 2026 को दोपहर 12 बजे से रात्रि 12 बजे तक नवर्ष आनंदोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कीर्तन, प्रवचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहेंगे।

हार मानने को तैयार नहीं, BJP-RJD-HAM-RLJP के बीच चार सीटों पर कानूनी जंग शुरू

नवप्रदेश, पटना: राजद, हम और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी की ओर से पटना हाई कोर्ट में अलग-अलग चुनाव याचिकाएं दायर कर विधानसभा चुनाव परिणामों (Bihar Chunav 2025 Results) को चुनौती दी गई है। नरपतंगज से RJD उम्मीदवार मनीष यादव ने BJP की नवनिर्वाचित विधायक देवयंती यादव के निर्वाचन को चुनौती दी है। इसी तरह, मधुबनी विधानसभा सीट से राष्ट्रीय लोक नशक्ति पार्टी के उम्मीदवार गणेश कुमार महरान ने रालोमो के विजयी प्रत्याशी माधव आनंद के चुनाव को चुनौती दी है मोहिउद्दीन नगर में राजद प्रत्याशी डॉ. एज्या यादव ने भाजपा विधायक राजेश कुमार सिंह के निर्वाचन पर सवाल उठाते हुए

नवादा पहुंचे सीएम नीतीश, फुलवरिया डैम-फ्लोटिंग सोलर प्लांट का निरीक्षण

निरंकार भास्कर, नवप्रदेश

नवादा: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को नवादा जिले के रजौली पहुंचकर जिले की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का जायजा लिया. उनके साथ उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद रहे. सीएम का यह दौरा दो प्रमुख संदेशों पर केंद्रित रहा. एक, हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना और दूसरा, जीविका दीदियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को मजबूती देना.

नवादा के रजौली में नीतीश कुमार का दौरा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को नवादा जिले के रजौली पहुंचे, जहां उन्होंने कई महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं का जमीनी



निरीक्षण किया. उनके साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद थे. प्रशासन ने दौरे को लेकर सुरक्षा और स्वागत की विशेष तैयारियां की थीं. चिरैला में अस्थाई हेलीपैड बनाया गया था, जहां से कार्केड के जरिए मुख्यमंत्री फुलवरिया

जलाशय की ओर रवाना हुए. **फुलवरिया डैम- मछली पालन से लेकर फ्लोटिंग सोलर पावर तक**

मुख्यमंत्री ने हरदिया पंचायत के फुलवरिया डैम में चल रही दो प्रमुख योजनाओं का मौके पर

सूर्यपुरा में 24 घंटे के भीतर सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने का सीओ का सख्त निर्देश

नवप्रदेश,सूर्यपुरा: अंचल अंतर्गत स्थानीय प्रखंड मुख्यालय के प्रखंड सह अंचल कार्यालय से लेकर बंगला चौक एवं मुख्य बाजार के सायर स्थान तक अतिक्रमण मुक्त करने के लिए सीओ ने 24 घंटे के अंदर सड़क के किनारे दोनों तरफ हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए नोटिस जारी किया . वहीं ध्वनि विस्तारक यंत्र से समूचे गांव में प्रचार प्रसार करवा कर 24 घंटे के अंदर उक्त सड़क किनारे से सीढ़ी, चबूतरा, गुमटी, हटाने की सख्त हिदायत दी है. सीओ गोल्ट्डी कुमारी ने बताया कि अतिक्रमण मुक्त करने के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं बाजार के हर चौक चौराहे पर नोटिस चिपका कर लोगों को सुचित किया गया है.

प्रखंड स्तरीय टीएलएम मेला का हुआ आयोजन

नवप्रदेश, नौतन: प्रखंड के राजकीय कमल साह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय टी एल एम मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख कृष्णदेव चौधरी,बीडीओ शैलेन्द्र कुमार सिंह,बीईओ रेयाज अहमद और विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अनुपा कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मेला में दक्षिण तेलुदुआ, सनसरैया, धुमनगर, जमुनिया, जगदीशपुर, झाखरा, गहिरा, पूर्वी नौतन, पश्चिमी नौतन, बरदाहा पकडिया, मंगलपुर गुदरिया, मंगलपुर कला और श्यामपुर कोतारहा के सीआरसी स्तर पर प्राथमिक और मध्य विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिकाओं भाग लिया। जिसमें विज्ञान, भाषा और पर्यावरण से संबंधित टी एल एम प्रस्तुत किया गया। जहां निर्णायक मंडली के द्वारा टीएलएम का मुल्याकन किया गया है।

सात फेरों के नाम पर फरेब; लड़की से मिलाकर लाखों की ठगी, बिहार में फर्जी मैरिज ब्यूरो का जंजाल

निरंकार भास्कर, नवप्रदेश



संस्कारी लड़की की प्रोफाइल भेजी। परिवार ने जब रुचि दिखाई तो उन्हें पटना में लड़की से मिलवाया गया। ठगों ने उनसे तुरंत रिश्ता पक्का करने की बात कहकर शगुन के तौर पर ढाई लाख रुपये की मांग लड़की को शगुन का सामान खरीदने के लिए कर दी। पीड़ित ने पैसे दे दिए। इसके अगले दिन से ही ब्यूरो का दम्तर बंद मिला।

प्रोसेसिंग फी के नाम पर गंवाए 50 हजार : पूर्णिया के एक फजी मैरिज ब्यूरो ने नाथनगर के एक शिक्षक को अपना शिकार बनाया। ब्यूरो ने उन्हें एक सरकारी नौकरी वाले लड़के की प्रोफाइल दिखाई। पसंद आने पर शिक्षक ने रजिस्ट्रेशन के लिए 5100 सौ रुपये दिए। फिर मीटिंग फिक्स कराने के नाम पर 25

जाकर निरीक्षण किया. एक, मछली पालन परियोजना, जो स्थानीय स्तर पर रोजगार और उत्पादन को नई ऊंचाई दे रही है. दूसरी, फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट, जिससे साफ ऊर्जा उत्पादन की उम्मीदें बढ़ी हैं. यह नवीकरणीय ऊर्जा (फ़ैल्टीइु'ी एल्लो१८) की दिशा में बिहार का एक बड़ा कदम है.

बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित यह जलाशय प्राकृतिक सुंदरता के साथ राज्य की विकास योजनाओं का नया प्रयोगशाला बन रहा है. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से प्रोजेक्ट की प्रगति, क्षमता और स्थानीय लाभ से जुड़े बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी ली.

आपका काम पूरे बिहार का चेहरा बदल रहा है

रजौली पहुंचकर सीएम ने उन

इतनी नफरत क्यों? सोए हुए शख्स के सीने और सिर में ताबड़तोड़ गोली मारी

नवप्रदेश, सहरसा: बिहार के सहरसा में सोए अवस्था में उमेश मिस्त्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली मृतक के सिर व सीने में लगी है। घटना की सूचना मिलते ही सोनवर्षा राज थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सहरसा भेजकर अम्रतर कारवाई में जुट गए। जबकि घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सोनवर्षा थाना क्षेत्र के बरैट पंचायत अन्तर्गत मनखहा गांव में गुरुवार की रात करीब 11 बजे की बर्बाई जा रही है। पुलिस को अज्ञात अपराधकर्मी द्वारा घर के सामने गोली मारकर हत्या करने की सूचना मिली थी। सूचना पर सोनवर्षा राज थाना के पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कार्रवाई में जुट गई। वरिय पदाधिकारी भी घटनास्थल पहुंचे और हालात का जायजा

जीविका दीदियों से संवाद किया, जिन्होंने मौके पर अपने प्रोडक्ट्स और प्रयासों को लेकर स्टॉल लगाए थे. मुख्यमंत्री ने उनके काम की सराहना की और कहा कि जीविका समूहों ने बिहार में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी है. जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री को अपने उत्पादों और आजीविका मॉडल की जानकारी दी, जिसे सीएम ने ध्यान से सुना.

मुख्यमंत्री का यह दौरा नवादा में विकास योजनाओं की रफ्तार बढ़ाने और ऊर्जा-मत्स्य मॉडल को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है. फुलवरिया डैम पर फ्लोटिंग सोलर प्लांट और मछली पालन की संभावनाएं आने वाले दिनों में यहां की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा आधार बन सकती हैं.

लिया और थाना पुलिस को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एफएसएल की टीम द्वारा भी घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। घटनास्थल से पुलिस को तीन खोखा बरामद किया गया है। मृतक उमेश मिस्त्री पर बीते साल 12 मई को भी इनके पुत्र-मनीष मिस्त्री से विवाद में रविन्द्र यादव के साथ मिलकर गोली मारी चलाई थी। तब उमेश मिस्त्री गंभीर रूप से जखमी हो गए थे। घटना के बाद मनीष मिस्त्री एवं रविन्द्र यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था जो अभीतक जेल में ही है। वर्तमान समय में भी परिवारिक विवाद, भूमि विवाद एवं अन्य बिन्दुओं पर अनुसंधान की जा रही है। घटना के बाबत सोनवर्षा राज थानाध्यक्ष संजय कुमार सत्यार्थी ने बताया कि घटना का कारण प्रथमदृष्टया घरेलू विवाद लग रहा है।

वेतन निर्धारण में रिश्वतखोरी: अकोढ़ीगोला के बीईओ ऑफिस के कंप्यूटर ऑपरेटर 14 हजार रुपये लेते गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता



धावा टीम का गठन किया गया। टीम का नेतृत्व डीएसपी केसी जायसवाल वर डीएसपी विंध्यचल प्रसाद कर रहे थे। शुक्रवार सुबह टीम ने अकोढ़ी गोला में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रणव कुमार के कंप्यूटर ऑपरेटर चंदन कुमार शर्मा को उनके आवास पर 14000 रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। निगरानी विभाग के अधिकारियों के अनुसार वह कई

शिक्षकों से वेतन निर्धारण की फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर अवैध वसूली कर रहा था। टीम ने मौके से आवश्यक दस्तावेज और प्रमाण भी जब्त किए हैं। मौके पर निगरानी डीएसपी विन्ध्यचल प्रसाद डीएसपी केसी जायसवाल इंसपेक्टर जहांगीर खान सब इंसपेक्टर ऋषि कुमार कुंदन कुमार सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे।

भ्रष्ट बैंक अधिकारी भावेश पर इओयू का एक्शन

पटना: बिहार में एक और भ्रष्ट अधिकारी पर ईओयू ने शिकंशा कस दिया है। अवैध कमाई के आरोप में सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के विकास अधिकारी भावेश कुमार के ठिकानों पर आर्थिक अपराध इकाई ने छपा मारा है। अधिकारी पर गलत कमाई से करोड़ों की संपत्ति बनाने का आरोप है। पटना और गोपालगंज में छह ठिकानों पर रेड चल रही है। आरोप के सत्यापन के बाद कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक पार्टिलेपुत्र सेंट्रल को ऑपरेटिव बैंक के विकास पदाधिकारी भवेश कुमार सिंह के ठिकानों पर गुरुवार की सुबह ईओयू के अधिकारी पहुंचे। आरोपी के घर में घुसे और छापेमारी की कार्रवा शुरू कर दी। भावेश कुमार परर आय से 60.68 फीसदी अधिक संपत्ति बनाने का गंभीर आरोप है जो गलत तरीके अपना कर बनाई गई है। कार्रवाई एक्ससाथ पटना और गोपालगंज के 6 ठिकानों पर चल रही है। जहां से आय और संपत्ति से जुड़े दस्तावेज, बैंक डिटेल और सौंदिय लैन-देन के कागजात खंगाले जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक भावेश कुमार के ऑफिस और आवास से साथ कई सौंदिय ठिकानों पर ईओयू ने धावा बोला है।

संक्षिप्त खबरें

युवा समाजसेवी रौशन सिंह ने पुत्र के जन्मदिन पर किया कंबल वितरण, समाजहित की मिसाल कायम



नवप्रदेश, तिलौथू: युवा समाजसेवी एवं मुदुभाषी रौशन सिंह ने अपने पुत्र शौर्य के जन्मदिन के अवसर को एक प्रेरणादायी रूप देते हुए अपने ग्राम पंचायत रामडिहरा तिलौथू में बड़े-बुजुर्गों, माताओं और बहनों के बीच कंबल वितरण किया। उन्होंने पारंपरिक ढंग से होटल या रेस्तरां में जन्मदिन मनाने के बजाय फिजूलखर्ची से दूर रहते हुए समाजहित में धन का सदुपयोग करने का निर्णय लिया। रौशन सिंह

द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 250 से अधिक महिलाओं को कंबल प्रदान किए गए। इस अवसर पर लोगों ने उनके इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि यही एक शिक्षित, संवेदनशील और सभ्य व्यक्ति की पहचान है। अमित सिंह और रौशन सिंह की यह सामाजिक सोच निश्चय ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। पुत्र शौर्य को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।



नवप्रदेश, बिक्रमगंज: प्रखंड क्षेत्र के नोनहर पंचायत के नोनहर गांव में बसंती कृषि जन कल्याण चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड कृषि कार्यालय बिक्रमगंज के सहायक तकनीकी प्रबंधक प्रशांत कुमार शर्मा, कुमारी रागिनी चौहान सहित कई किसानों ने भाग लिया। सहायक तकनीकी प्रबंधक ने चौपाल में उपस्थित किसानों के बीच चौपाल का मुख्य उद्देश्य तथा कृषि संबंधित बातों की जानकारी दी। सरकार द्वारा किसान के हित में चल रही योजनाओं के संबंध में बताया। पराली

प्रबंधन की जानकारी देते हुए खेतों में पराली नहीं जलाने की शुभील की। बताया कि फसल अवशेष को प्रबंधन करने पर किसानों की आमदनी दोगुना हो सकती है। जिसे किसानों को समझने की जरूरत है। फसल अवशेष जलाने से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया। इसके साथ-साथ बीज उपचार, मिट्टी जांच, परिष्क्रमण, प्रशिक्षण, कृषि यंत्रीकरण, बैंक की स्थानांन एवं फार्मर रजिस्ट्री केवाईसी पर विस्तृत र्वा की। किसानों को वैज्ञानिक तकनीक से खेती कर अपना उत्पादन बढ़ाने की बात कही।

आपूर्ति पदाधिकारी का स्थानांतरण होने पर की गई विदाई सह सम्मान समारोह



नवप्रदेश, नोखा: थाना क्षेत्र के एक निजी हाल में आपूर्ति पदाधिकारी संजीव कुमार का स्थानांतरण होने पर शुक्रवार को विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे मौके पर उपस्थित जन प्रतिनिधि और डीलर संघ ने उन्हें अंग वस्त्र व गुलदस्ता देकर शर्मा को विदाई के साथ ही उनके स्वस्थ जीवन की कामना किया गया। जहां संजीव कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि सरकारी सेवा में स्थानांतरण एक समान प्रक्रिया है जबकि जन प्रतिनिधियों और डीलर संघ के साथ काम करने के अनुभव को यादगार बताया। वहीं नए आपूर्ति पदाधिकारी को भी सभी

ने अंग वस्त्र और उपहार देकर सम्मानित किया नए आपूर्ति पदाधिकारी ने अपने कार्यों को आम लोगों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया इस कार्यक्रम के अध्यक्षता डीलर संघ के सचिव गुड्डन जी ने किया। मौके पर उपस्थित प्रखंड प्रमुख अरविंद कुमार सभापति राधेश्याम सिंह नोखा विडियो, शेफाली,सीओ मकसुदून चौरसिया पश्चिम जिला पार्षद सदस्य कृष्ण मुरारी उर्फ मौलू मिश्रा देवानंद राम, कैलाश पासवान,राज जी पासवान, वार्ड पार्षद मनोज कुमार, प्रमोद शर्मा, वार्ड प्रतिनिधि अफताब आलम, सोनू चौरसिया, मुखिया रंजीत पासवान, मुखिया प्रतिनिधि विवेक कुमार आदि कई लोग मौजूद थे।

गोला दुकान में सटर काटकर सामान की चोरी



नवप्रदेश, नौतन : नौतन- मंगलपुर मुख्य मार्ग में मछरनावा बजार चौक स्थित जगदंबा इंटरप्राइजेज गोला होलसेल दुकान में गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने दुकान का शटर काटकर हजारों रुपए के समानों की चोरी कर ली है। शुक्रवार की सुबह सूचना पर पहुंची बैरिया पुलिस ने जांच कर कार्रवाई की बात कही।इस बावत नौतन बलुआ निवासी पीड़ित दुकानदार मकसुदन गुप्ता ने बैरिया थाना में आवदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया। चोरों को बताया कि हर रोज की भाति गुरुवार की रात भी वह दुकान

बंद कर अपने घर चले आये तथा खाना खाकर सो गये। शुक्रवार की सुबह स्थानीय लोगों ने दुकान टूटने की सूचना दुकानदार को दिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर दुकानदार अपने दुकान पर पहुंचा तो देखा की दुकान का शटर कटा हुआ है और दुकान के अंदर से सरसों तेल का टीना, रिफाईड,बावल,व मोबाइल तथा गल्ले में रखे नगद की चोरी कर ली गई है।जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के आलोक में बैरिया पुलिस पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है ।।

बालू लदा ट्रक ने कार में मारी साइड टक्कर, कार क्षतिग्रस्त



नवप्रदेश, बड़हरा (भोजपुर): कोईलवर-छपरा फोरलेन बड़हरा प्रखंड क्षेत्र के बबुरा बाजार के समीप शुक्रवार को एक बालू लदे ट्रक ने चलती कार में साइड से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार का दाहिना हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि कार में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए। घटना के संबंध में कार सवार बिहटा थाना क्षेत्र के बिशनपुर गांव निवासी कमलेश कुमार ने बताया कि वे लोग अपने निजी वाहन से छपरा जिले के एकमा

जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे बालू लदे ट्रक ने उनकी कार में जोरदार साइड टक्कर मार दी। टक्कर के बाद फोरलेन पर लंबा जाम लग गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद स्थानीय लोग जुट गए और क्षतिग्रस्त कार को साइड कर ट्रक को सड़क से हटाने में मदद की। सूचना मिलने पर डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर थाना ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कोलसेतु के लिए कोयला लिंकेज की नीलामी नीति को मंजूरी

नई दिल्ली: केन्द्र सरकार ने निर्बाध, कुशल और पारदर्शी उपयोग (कोलसेतु) के लिए कोयला लिंकेज की नीलामी की नीति को मंजूरी दे दी है। इसके तहत किसी भी औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए कोयले का उपयोग करने को लेकर 'कोलसेतु' नामक एक नई विंडो बनाई गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज इस नीति को मंजूरी दी। यह नई नीति सरकार के कोयला क्षेत्र के सुधारों की श्रृंखला का हिस्सा है। यह नीति 2016 की एनआरएस (नॉन-रेगुलेटेड सेक्टर) लिंकेज नीलामी नीति में 'कोलसेतु' नामक एक अलग विंडो जोड़कर, किसी भी औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए नीलामी के आधार पर दीर्घकालिक कोयला लिंकेज के आवंटन की अनुमति देगी, जिसमें कोयले की आवश्यकता वाला कोई भी घरेलू खरीदार लिंकेज नीलामी में भाग ले सकता है।

आंध्र प्रदेश में बस घाटी में गिरी, नौ यात्रियों की मौत, 10 की हालत गंभीर



अल्लूरी सीताराम राजू (आंध्र प्रदेश): आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिला में शुक्रवार सुबह मारेडुमिली घाट रोड पर बस हादसे में बड़ी जनहानि होने का अंदेश है। घटनास्थल पर नौ लोगों की मृत्यु और अन्य दस के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बताया गया है कि हादसाप्रस्त चित्तूर जिले के विग्नेश्वरा टैक्स्टल की बस (एपी 39 यूएम 6543) में 37 यात्री और दो चालक थे। यह बस भद्राचलम से अराकू जा रही थी। मारेडुमिली घाटु रोड पर राजू गारी मेट्टु मोड़ के पास यह बस बेकाबू होकर घाटी में गिर गई। सूचना मिलते ही आसपास के लोग पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को बेहतर इलाज के लिए भद्राचलम एरिया हॉस्पिटल ले

एनडीए परिवार सुशासन, राष्ट्रीय विकास और क्षेत्रीय आकांक्षाओं के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक : मोदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अपने आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों को रात्रि भोज के लिए बुलाया। सांसद कई अलग समूह में बसों में सवार होकर 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास पर पहुंचे। बिहार विधानसभा में मिली शानदार जीत के बाद आयोजित इस विशेष रात्रि भोज में मेन्यू भी देश को एक सूत्र में पिरोने जैसा था। सूत्रों के मुताबिक सभी सांसदों को छह सात के समूह में बिठाया गया था। उनके साथ एक मंत्री भी बिठाया गया था। प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों के टेबल पर जाकर उनसे बात की और उनसे हाल पूछा। उन्हें आग्रह करके प्रेम से भोजन करवाया। रात्रि भोज के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा आज शाम लोक



कल्याण मार्ग स्थित 7 नंबर होटल में एनडीए सांसदों को रात्रिभोज पर आमंत्रित करना अत्यंत सुखद अनुभव रहा। एनडीए परिवार सुशासन, राष्ट्रीय विकास और क्षेत्रीय आकांक्षाओं के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हम सब



मिलकर आने वाले वर्षों में अपने राष्ट्र के विकास पथ को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक भोजन के मेन्यू में हर राज्य के व्यंजन शामिल थे। यानी जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल तक, सभी राज्यों के

बाबरी मस्जिद के बाद अब बंगाल में राम मंदिर की तैयारी, सॉल्ट लेक में लगे पोस्टर

कोलकाता: विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल में मंदिर-मस्जिद की राजनीतिक जंग तेज हो गई है। गुरुवार को सॉल्ट लेक के कई इलाकों में अयोध्या की तर्ज पर विशाल राम मंदिर परिसर बनाने के पोस्टर सामने आए। इन पोस्टरों में स्कूल, अस्पताल, वृद्धाश्रम और कई सामाजिक सुविधाओं का वादा किया गया है। पोस्टर स्थानीय भाजपा नेता संजय पोयरा के नाम से लगाए गए हैं।

सिटी सेंटर, करुणामयी और बिधाननगर के अन्य प्रमुख इलाकों में लगे इन पोस्टरों में दावा किया गया है कि लगभग चार बीघा जमीन पर अयोध्या जैसा राम मंदिर बनाया जाएगा। लोगों से संपूर्ण निर्माण के लिए प्रतीकात्मक रूप से एक रुपया दान देने की अपील भी की गई है।

यह घटनाक्रम ठीक उसी समय आया है, जब कुछ दिन पहले निर्लाबित तुण्णुमिल विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में बाबरी मस्जिद मॉडल पर आधारित एक मस्जिद का शिलान्यास किया था। यह



कार्यक्रम छह दिसंबर, यानी 1992 की घटना की बरसी पर अभूतपूर्व सुरक्षा के बीच हुआ। उसी दिन भाजपा नेताओं ने मुर्शिदाबाद के बंजाटिया में राम मंदिर निर्माण की शुरूआत भी की थी। अब सॉल्ट लेक में इस तरह के पोस्टर लगाए जाने से राजनीतिक टकराव राजधानी के प्रशासनिक केंद्र के करीब पहुंच गया है, जो चुनावी माहौल में एक खास प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है। संजय पोयरा ने इसे सामाजिक-आध्यात्मिक आंदोलन बताया। उन्होंने कहा कि राम राज्य में राम का मंदिर होना चाहिए। बिधाननगर में अयोध्या

प्रधानमंत्री ने रजनीकांत को 75वें जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता रजनीकांत के 75वें जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि रजनीकांत की अभिनय क्षमता ने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया है और उन्हें व्यापक सराहना मिली है। प्रधानमंत्री ने दो अलग-अलग एक्स पोस्ट में कहा कि रजनीकांत के प्रदर्शन ने पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध किया है। उनका फ़िल्मी सफ़र विभिन्न भूमिकाओं और शैलियों से भरा रहा है, जिसने लगातार नए मानक स्थापित किए हैं।

व्यंजन सांसदों को परोसे गए। आंध्रप्रदेश का पलककुरा पण्णु, काले मोती चिलगोजा पुलाव, भिंडी सांवरिया भी मेन्यू में शामिल था। महाराष्ट्र की मूंगफली की चटनी, विभिन्न प्रकार के चावल, ज्वार की रोटी भोजन की

विशेषताएं थीं। एक तरह से कहा जा सकता है कि भोजन में देश के हर राज्य से व्यंजन शामिल किए गए थे जिसके माध्यम से सांसदों को विभिन्नता में एकता का संदेश दिया।

इंडिगो संकट: डीजीसीए ने 4 उड़ान संचालन निरीक्षकों को पदमुक्त किया

नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के संकट के 11 वें दिन नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को चार उड़ान संचालन निरीक्षकों (एफओआई) को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया। इसके बाद ये सभी अधिकारी अपने मूल कंपनियों में वापस लौट जाएंगे। डीजीसीए द्वारा हटाए गए एफओआई में नृत्तभ राज चटर्जी (संविदा सहायक मुख्य उड़ान संचालन निरीक्षक), सीमा झामनानी (वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक), अनिल कुमार पोखरियाल और प्रियम कौशिक (दोनों संविदा उड़ान संचालन निरीक्षक) शामिल हैं। आदेश में इन निरीक्षकों के सरकारी ई-मेल और ई-ऑफिस खातों को तत्काल निष्क्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं। उड़ान संचालन निरीक्षक देश में हवाई सुरक्षा ढांचे के अहम हिस्सा होते हैं और विमान कंपनियों का निरीक्षण, पायलट परीक्षाएं तथा कॉर्कपेट में अचानक जांच जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाओं का निर्वहन करते हैं। ये अधिकारी इंडिगो के ऑपरेशनल चेक, सेफ्टी ओवरसाइट और निगमों के क्रियाव्यवन की सीधी निगरानी कर रहे थे।

अमेरिका में चैटजीपीटी की हत्या-आत्महत्या में कथित मूकिका, ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट पर मुकदमा

वाशिंगटन: संयुक्त राज्य अमेरिका में कनेक्टिकट की 83 वर्षीय वृद्धा की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। इस महिला के परिवार ने चैटजीपीटी निर्माता कंपनी ओपनएआई और उसके साझेदार माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। परिवार का आरोप है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आधारित चैटबॉट ने हत्या आरोपित बेटे के भ्रम को बढ़ाते हुए उसे अपनी मां की हत्या के लिए उकसाया। आरोपित बेटा और गला घोटकर मार डाला और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली थी। एडम्स के परिवार ने गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को में केंद्रीयफर्निचा सुपीरियर कोर्ट में यह मुकदमा दायर किया है।

अमेरिकी अखबार द वाशिंगटन पोस्ट और फ्रांस के दोषहरकालीन अखबार ले मोंडे की रिपोर्ट के अनुसार, हत्यारोपित 56 वर्षीय स्टीन-एरिक सोलबर्ग ने मां की हत्या के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। मुकदमे के दस्तावेजों के अनुसार, सोलबर्ग को पहले भी

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कतें रही हैं। उसने चैटजीपीटी को बताया था कि उनकी मां के होम ऑफिस में लगा प्रिंटर एक सर्चिवांस डिवाइस हो सकता है और इसका इस्तेमाल उन पर जासूसी करने के लिए किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि चैटबॉट ने इस पर सहमति जताई। इस मुकदमे में बेतहाशा आर्थिक मुआवजा और ओपेन एआई को चैटपैट में सुरक्षा उपाय लगाने का आदेश देने की मांग की गई है।

दुलिस ने बताया कि स्टीन-एरिक सोलबर्ग ने अगस्त में कनेक्टिकट के ग्र्रीनविच में अपने घर पर अपनी मां सुजेन एडम्स को बुरी तरह पीटा और गला घोटकर मार डाला और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली थी। एडम्स के परिवार ने गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को में केंद्रीयफर्निचा सुपीरियर कोर्ट में यह मुकदमा दायर किया है।

अमित शाह 13 दिसंबर को बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में होंगे शामिल

जगदलपुर: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 13 दिसंबर को बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल होने पहुंच रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री के बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल होने के साथ ही वे बस्तर में नक्सल विरोधी अभियान की समीक्षा भी करेंगे। बस्तर जिले के कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह के बस्तर प्रवास को लेकर बस्तर जिला प्रशासन भी अपने स्तर पर तैयारियों में जुटा हुआ है। उल्लेखनीय है कि 13 दिसंबर को ही राज्य में विष्णुदेव साय सरकार के दो साल पूरे रहे हैं। पिछले वर्ष भी 13 दिसंबर को बस्तर ओलंपिक के समापन हुआ और इस वर्ष भी 13 दिसंबर को बस्तर ओलंपिक का समापन होगा। इसी दिन नक्सलवाद के खात्मा



करने की समय-सीमा तय की गई थी। अब बस्तर के लिए 13 दिसंबर में कुछ बड़ा होने का संयोग बन रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2024 में भी 13 दिसंबर को बस्तर ओलंपिक के समापन कार्यक्रम के मंच से केंद्रीय गृहमंत्री ने 31 मार्च 2026 तक बस्तर सहित देश से नक्सलवाद का खात्मा करने की समय-सीमा तय की थी। इसके बाद से बस्तर में मिशन 2026 के तहत बड़े पैमाने पर नक्सल विरोधी अभियन चलाये गये, जिनमें जवानों

को कई बड़ी कामयाबी भी मिली। पिछले दिनों आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले में हुई मुठभेड़ में ढेर हुए दुर्दांत नक्सली हिड़मा के बाद बदली हुई परिस्थितियों में बस्तर के हालातों को वे करीब से आंकलन करेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री के प्रवास के अवधि में नो ड्रोन फ्लाईंग जोन घोषितबस्तर जिले के कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश के तहत केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार अमित शाह का 13 दिसंबर 2025 को बस्तर जिला प्रवास कार्यक्रम निर्धारित है। बस्तर जिला प्रवास दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री, की सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए सम्पूर्ण जगदलपुर शहर को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक के लिए नो ड्रोन फ्लाईंग जोन घोषित किया गया है।

भारत के समुद्री बेड़े में 16 दिसंबर को शामिल होगा स्वदेशी गोताखोर जहाज ‘डीएससी ए20’

नई दिल्ली: भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में 16 दिसंबर को गोताखोरी में सहायक स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित जहाज डीएससी ए20 को शामिल किया जाएगा। दक्षिणी कमान का हिस्सा बनने वाले इस जहाज का कमीशनिंग समारोह कोच्चि में होगा, जो नौसेना के लिए बड़ी उपलब्धि है। इसके माध्यम से भारतीय नौसेना की गोताखोरी और जल के भीतर सहायता क्षमताओं में तेजी आएगी। दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना की उपस्थिति में आयोजित होने वाला यह औपचारिक समारोह नौसेना की परिचालन क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का प्रतीक होगा। डीएससी ए20 का निर्माण कोलकाता के टिट्टागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) में किया



गया है। गोताखोरी में सहायक पांच डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट श्रृंखला का यह पहला पोत है। इसको तटीय जलक्षेत्र में विभिन्न प्रकार के गोताखोरी और जलीय अभियानों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। यह पोत उन्नत एवं अत्याधुनिक गोताखोरी प्रणलियों से सुसज्जित है, जो सुरक्षा, विश्वसनीयता और परिचालन दक्षता के सर्वोच्च मानकों पर खरा उतरता है। नौसेना के मुताबिक



कैटामारन आधारित पतवार विन्यास वाले इस पोत में उक्तष्ट स्थिरता, विस्तारित डेक क्षेत्र और बेहतर समुद्री योग्यता है। लगभग 390 टन के विस्थापन वाले इस जहाज को इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग (आईआरएस) के नौसेना नियमों और विनियमों के अनुरूप डिजाइन तथा निर्मित किया गया है। डीएससी ए20 का विशाखापत्तनम स्थित नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एएसटीएल) में

व्यापक हाइड्रोडायनामिक विश्लेषण और मॉडल परीक्षण किया गया, जिससे इसके इष्टतम प्रदर्शन, स्थिरता तथा दीर्घकालिक विश्वसनीयता को सुनिश्चित किया गया। डीएससी ए20 का शामिल होना भारत की आत्मनिर्भरता के मार्ग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा और समुद्री क्षेत्र में हथकेर इन इंडियाह्व पहल की उल्लेखनीय सफलता का सशक्त उदाहरण है। यह उन्नत मंच भारतीय नौसेना, स्वदेशी जहाज-निर्माण उद्योग और राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के बीच परिणामोन्मुख सहयोग का प्रतीक बन गया है। इस पोत के शामिल होने से भारतीय नौसेना की गोताखोरी सहायता, जल के भीतर निरीक्षण, बचाव अभियानों और तटीय क्षेत्रों में परिचालन तैनाती की क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी।

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा में फिर उठी झांसी में एयरपोर्ट की मांग

नवप्रदेश, झांसी : झांसी-ललितपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अनुराग शर्मा ने शीतकालीन सत्र के दौरान एक बार फिर झांसी एयरपोर्ट निर्माण की मांग को पूरी दृढ़ता से सदन में उठाया।



वह इससे पहले कई बार झांसी में एयरपोर्ट निर्माण को लेकर सरकार से आग्रह कर चुके हैं। सांसद अनुराग शर्मा ने विचारित भारत के साथ-साथ विकसित बुंदेलखंड के निर्माण में एयरपोर्ट को एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि झांसी सहित उत्तर प्रदेश में आने वाले सम्पूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र में किसी भी स्थान पर एयरपोर्ट न होने से आमजन को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह

भी उल्लेख किया कि प्रदेश एवं केंद्र सरकार द्वारा बुंदेलखंड में औद्योगिक विकास के लिए बड़े-बड़े प्रोजेक्ट स्थापित किए जा रहे हैं। ऐसे में एक सुदृढ़ एयर कनेक्टिविटी अत्यंत आवश्यक है।

एयरपोर्ट बनने से क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा पर्यटन, व्यापार, निवेश व रोजगार के बड़े अवसर सृजित होंगे। सांसद ने सरकार से आग्रह किया कि एयरपोर्ट निर्माण से संबंधित सभी लंबित प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि झांसी एयरपोर्ट निर्माण का मार्ग जल्द से जल्द प्रशस्त हो सके और बुंदेलखंड के विकास की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम आगे बढ़ सके।

राहुल गांधी मानहानि मामले में सुनवाई टली, अगली सुनवाई 23 दिसम्बर को

सुलतानपुर: उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट में देश के गृह मंत्री अमित शाह के मामले में शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल



का आरोप है कि 2018 के कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में पिछले पांच साल से अदालती कार्रवाई चल रही है। दिसम्बर 2023 में राहुल गांधी के पेश न होने पर तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25–25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी थी। 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज करवाया था, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और इसे राजनीतिक साजिश करार दिया था। उनके बयान के बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की कोशिश, हथियार सहित घुसपैठिया गिरफ्तार

जम्मू: बॉर्डर सिक्वोरिटी फोर्स (बीएसएफ) ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पारगवाल क्षेत्र में एक घुसपैठिए को पकड़ा है। उसके पास से एक हथियार भी बरामद किया गया है। बीएसएफ के अनुसार जवानों ने सीमा क्षेत्र में सशस्त्र गतिविधि देखते ही तुरंत कार्रवाई की और घुसपैठिए को मौक़े पर ही हिरासत में ले लिया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान अब्दुल

खालिक के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस पोस्ट पारगवाल (पुलिस स्टेशन खोरी) को सौंप दिया गया है। पुलिस इस मामले में पूछताछ कर रही है, ताकि उसके इरादों और किसी साजिश नेटवर्क का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है।

नेशनल ज्यूडिशियल कॉन्फ्रेंस 13-14 दिसंबर को जैसलमेर में, दो सी से अधिक जज लेंगे हिस्सा

जोधपुर: सरहदी जिला जैसलमेर इस सप्ताह देश के न्यायिक इतिहास जगत एक बड़े कार्यक्रम के आयोजन की मेजबानी करने जा रहा है। नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी (एनजेए) के जरिए आयोजित जोधपुर वेस्ट जोन-1 क्षेत्रीय सम्मेलन के लिए देश की न्यायालिका के दिग्गज इस मरुस्थलीय शहर में एकत्रित हुए हैं। आगामी 13 और 14 दिसंबर को होने वाले इस दो दिवसीय सम्मेलन में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुर्यकांत सहित सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट्स के 25 से अधिक शीर्ष न्यायाधीश सहित करीब दो सी से अधिक जज शिरकात कर रहे हैं। इस महत्वपूर्ण क्षेत्रीय सम्मेलन से

सनातन का अपमान नहीं सहेंगा हिंदुस्तान: अनुराग

नई दिल्ली: पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग गांधुर ने शुक्रवार को लोकसभा में शुक्रवार के दौरान तमिलनाडु की एकात्मक सरकार में हिंदुओं और सनातन धर्म के खिलाफ बढ़ते भेदभाव के माहौल पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने मद्रुरे की उस घटना का उल्लेख किया, जिसमें हिंदू भक्तों पर तमिलनाडु पुलिस ने इसलिए बेरहमी से लाठीचार्ज किया क्योंकि वे भगवान मुरुगन के छह घरों में से एक, पवित्र थरुप्परनकुंद्रम

ठीक एक दिन पहले आज राजस्थान हाई कोर्ट की फुल कॉर्ट मीटिंग आयोजित की गई। सुबह लगभग 11 बजे शुरू हुई यह बैठक दोपहर बाद तक चली, जिसमें राज्य की न्यायिक स्थिति, लंबित मामलों की बढ़ती संख्या, तकनीकी सुधारों की आवश्यकता और न्याय व्यवस्था के सामने खड़ी प्रमुख चुनौतियों पर गहन चर्चा की गई। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन शहर के प्रतिष्ठित हॉटल रमहल में किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य न्यायिक प्रणाली में टेक्नोलॉजी के बेहतर इस्तेमाल को सुनिश्चित करना और टेक्नोलॉजी वेरू जस्टिस सिस्टम को मजबूत करना है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बिगड़ी



ढाका: बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष और देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत और बिगड़ गई। किडनी ने काम करना बंद कर दिया है। खालिदा का इलाज राजधानी ढाका के एवरकेयर अस्पताल में चल रहा है। बीएनपी नेत्री खालिदा लंबे समय से बीमार चल रही हैं। 23 नवंबर से इस अस्पताल में भर्ती 80 वर्षीय खालिदा जिया को इस वक्त इलेक्ट्रिक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रख गया है। इलेक्ट्रिक वेंटिलेटर सपोर्ट का मतलब है कि यंत्रणाबद्ध तरीके से या सर्जरी से पहले मरीज को सांस लेने वाली मशीन (वेंटिलेटर) का सहारा देना। जब डॉक्टर को पता होता है कि एनेस्थीसिया या ऑपरेशन के कारण मरीज खुद से सांस नहीं ले पाएगा। इलेक्ट्रिक एयोजनाबद्ध और पूर्ण तय चिकित्सा प्रक्रिया है। ढाका

डिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रात से खालिदा जिया की हालत कुछ ज्यादा गंभीर है। उनका सावधानी से इलाज चल रहा है। उनके उच्च इलाज के लिए गतिव मैडिकल बोर्ड कहा कि उनकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया है। उन्होंने नियमित डायलिसिस की जरूरत है। मेडिकल बोर्ड की ओर से प्रो. डॉ. शहादुल्लेहन तालुकदार ने गुरुवार देररात स्थिति का विश्लेषण करते हुए बयान जारी किया है। इसमें लोगों से जिया के बारे में अप्रफाह न फैलाने की अपील की गई है। बयान में कहा गया है कि उन्हें सांस लेने में अधिक दिक्कत हो रही है। खून में ऑक्सीजन लेवल कम हो रहा है। कर्बन डाइऑक्साइड का लेवल बढ़ गया है। उनका इलाज हाई-फ्लो नेजल कैपला और बाइपैप मशीन से किया जा रहा है।